हिन्दी दैनिक पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, बुधवार | 19 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 48 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

बक्सर टू महाकुंभ: ट्रेंन फुल, सड़कों पर ट्रैफिक जाम, जुगाड़ की नाव से गंगा स्नान करने पहुंचे 7 लोग

एजेंसी

लखनऊ । आस्था के इस महापर्व में डुबकी लगाने बक्सर के युवाओं ने गजब कारनामा कर दिया है। बक्सर के कम्हरिया के सात युवाओं ने नाव के सहारे गंगा में बक्सर से प्रयागराज के सफर को तय किया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर अब वायरल है। दरअसल, बिहार के बक्सर के सात लोगों के एक समूह ने परिवहन के साधन के रूप में नाव का उपयोग करके महाकुंभ मेले के लिए प्रयागराज तक 550 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। दो दिनों में दूरी तय करने की उनकी यात्रा की सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा हुई क्योंकि उनकी नाव की सवारी का एक वीडियो वायरल हो गया।8-9 फरवरी तक सड़कों पर भारी ट्रैफिक और ट्रेनों में भीड़भाड़ देखने के बाद ये ग्रुप तीर्थयात्रा के लिए निकला। सभी पारंपरिक यात्रा मार्गों के जाम होने के कारण, उन्होंने एक अनोखी योजना तैयार की। गंगा में नाव चलाने और महाकुंभ तक पहुंचने के लिए एक मोटरमोट का उपयोग किया। विफलता की स्थिति में बैकअप के रूप में उनकी नाव में दो मोटरें जुड़ी हुई थीं।

मुस्लिम देशों को पल भर में अपना बना लेते हैं मोदी, कतर के अमीर को पीएम मोदी ने बताया भाई, भारत-कतर के संबंधों को दी नई ऊँचाई

भारत और कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी की स्थापना पर नयी दिल्ली में एक समझौते का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-सानी की मौजूदगी में दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया।

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत और कतर की दोस्ती नए मुकाम पर पहुँची है जिसका सीधा लाभ कतर में रहने वाले साढ़े आठ लाख से ज्यादा भारतीयों को होने वाला है। प्रधानमंत्री ने जिस तरह सारे प्रोटोकाल तोड़ कर हवाई अड्डे पर कतर के अमीर की अगवानी की, उनका भव्य स्वागत किया और कतर के साथ कई द्विपक्षीय समझौते किये गये, वह दर्शा रहा है कि दोनों देशों के रिश्ते काफी गहरे हो चुके हैं। एक समय था जब मुस्लिम देश पाकिस्तान परस्ती करते थे लेकिन आज ज्यादातर मुस्लिम देश भारत के साथ हैं और पाकिस्तान की बात तक नहीं करते। अभी पिछले महीने ही भारत के गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति मुख्य अतिथि के तौर पर आये थे और अब दुनिया के प्रमुख इस्लामिक देश कतर के अमीर आये। निश्चित रूप से यह सब देखकर पाकिस्तान को पच नहीं रहा होगा।जहां तक भारत और कतर के बीच दिल्ली में हुई मुलाकात की बात है तो आपको बता दें कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की स्थापना पर एक समझौते का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-सानी की मौजूदगी में दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल सानी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने समझौते का आदान-प्रदान किया। हैदराबाद हाउस में आयोजित समारोह में घोषणा की गई कि भारत और कतर के बीच दोहरे कराधान से बचने और आय पर करों के संबंध में राजकोषीय चोरी की रोकथाम के लिए एक संशोधित समझौते का भी आदान-प्रदान किया गया। कतर के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने समझौते का आदान-प्रदान किया।भारत और कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी की स्थापना पर नयी दिल्ली में एक समझौते का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-सानी की मौजूदगी में दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया।

उत्तर प्रदेश : मुख्यमंत्री ने जताई उम्मीद, हार से हताश विपक्ष सदन पर नहीं उतारेगा खुन्नस

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र से पहले कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हार से हताश विपक्ष अपनी खुन्नस सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने बजट सत्र से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा, राज्यपाल का अभिभाषण और बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं, जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है।उन्होंने कहा कि विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। हम चाहते हैं कि सदन सार्थक चर्चा का मंच बने। आरोप-प्रत्यारोप या फिर असंसदीय आचरण से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा ह्यह्यउम्मीद करता हूं कि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से सुदृढ़ व मर्यादित आचरण की शुरूआत होगी। हम उम्मीद करेंगे कि विपक्ष समेत सभी सदस्यगण सदन में ऐसा आचरण दिखाएंगे, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आमजन की आस्था को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।मुख्यमंत्री ने बजट सत्र में उत्तर प्रदेश विधानमंडल की कार्यवाही प्रारंभ होने पर सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्यों में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से इस सत्र की शुरूआत होती है। इसी सत्र के दौरान वर्ष भर के लिए राज्य सरकार का बजट भी पारित होता है। अन्य विधायी कार्यों के साथ ही जनहित व राज्य के विकास से जुड़े हुए महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सदन में चर्चा होती है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, धर्मपाल सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

चेहरा तो हम ही हैं...ये बिहारी बनेगा दिल्ली का उट? केजरीवाल भी रह जाएंगे हैरान

एजेंसी

दिल्ली :दिल्ली में नई सरकार को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 19 फरवरी को विधायक दल की बैठक में सीएम के नाम पर मुहर लग जाएगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह इस बार भी रामलीला मैदान में होगा। शपथग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। रामलीला मैदान की ओर जाने वाले सभी रास्ते 19 फरवरी की रात से बंद होंगे ताकी 20 फरवरी को शपथग्रहण समारोह हो सके। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की टाइमिंग बदल गई है। पहले जहां 20 फरवरी की शाम 4.30 बजे दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण होना था तो वहीं अब यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे होना निश्चित हुआ है। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस अभी भी बना हुआ है। इसको लेकर विपक्षी दल आम आदमी पार्टी बीजेपी पर हमलावर है। कार्यवाहक सीएम आतिशी ने बीजेपी पर तंज करते हुए कहा है कि दिल्ली को चलाने के लिए बीजेपी के पास सीएम का चेहरा तक नहीं है। वहीं अब इस पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने पलटवार किया है।

राहुल गांधी ने किसे बताया अमित शाह का दाहिना हाथ? CEC की नियुक्ति को करार दिया आधी रात का तख्तापलट

एजेंसी

नई दिल्ली: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के बाद आरोप लगाया कि ऐसे समय में यह निर्णय आधी रात को लेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए गरिमा के प्रतिकूल है, जब चयन समिति की संरचना और प्रक्रिया को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है और 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आधी रात का तख्तापलट: कैसे मोदी-शाह ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति पर कब्जा किया। कांग्रेस ने पोस्ट कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह अनिवार्य किया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का चयन करने वाली समिति में प्रधानमंत्री (पीएम), विपक्ष के नेता (एलओपी) और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) शामिल हों। मोदी सरकार ने एक नया कानून पारित करके सीजेआईको हटा दिया और उनकी जगह प्रधानमंत्री के चुने

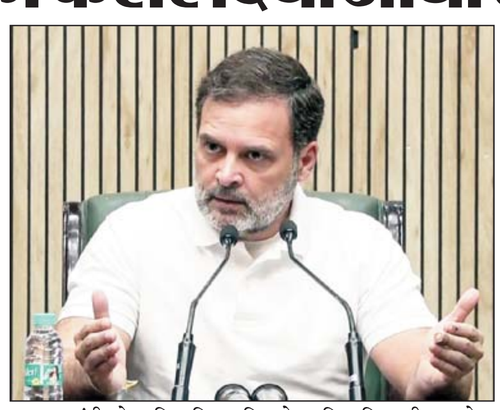

हुए एक मंत्री को शामिल किया, जिससे न्यायिक निगरानी कमजोर हो गई।इस कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिससे इसकी वैधता पर सवाल उठ गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई की तारीख 19 फरवरी तय की, जो नियुक्ति प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती थी। खतरे को भांपते हुए, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से पहले ही उएउ चयन समिति की बैठक जल्दबाजी में बुला ली। विपक्ष के नेता ने स्थगन की मांग की और समिति से सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करने का आग्रह किया। एक चौंकाने वाले कदम में, सरकार ने 17 फरवरी की आधी रात को, सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से महज 2 दिन पहले, ज्ञानेश कुमार को नए उएउ के रूप में घोषित कर दिया। ज्ञानेश कुमार, जिन्हें अमित शाह का दाहिना हाथ माना जाता है, को 2024 के चुनावों की निगरानी के लिए चुना गया, जिससे भाजपा का चुनावी प्रक्रिया पर पकड़ और मजबूत हो गई। कांग्रेस की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट को दरकिनार करने से लेकर आधी रात की नियुक्ति तक, मोदी और शाह ने दिनदहाड़े सबसे बड़े चुनावी तख्तापलट को अंजाम दिया।

'मुसलमानों की सरकार' टिप्पणी के लिए शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: विधानसभा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा विपक्ष के नेता (एलओपी) शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार को कथित तौर पर "मुसलमानों की सरकार" कहने के लिए विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया गया। सोमवार को बंगाल विधानसभा से निलंबित किए गए शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ राज्य के मंत्री सोवनदेब चट्टोपाध्याय ने यह प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए स्पीकर बिमान बंदोपाध्याय ने कहा, "यह सदन की अवमानना ? ?का मामला है।"

मामले को आगे की कार्रवाई के लिए विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया है। निलंबित किए जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल सरकार पर हमला करते हुए सांप्रदायिक और भड़काऊ टिप्पणी की, जिससे विवाद खड़ा हो गया।भाजपा विधायक ने कहा, "हिंदू समुदाय की वकालत करने के लिए हमें अपने निलंबन पर गर्व है... यह मुल्लाओं की सरकार है, मुसलमानों की सरकार है, अंसारुल बांग्ला की सरकार है, कश्मीरी आतंकवादियों की सरकार है। मुस्लिम तुष्टिकरण और हिंदू विरोधी सरकार है।" मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक समय के शिष्य पर घृणा भड़काने का आरोप लगाया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब सांप्रदायिकता के बारे में बोलना या किसी धर्म के खिलाफ भड़काना नहीं है। आप एक खास धर्म को बेच रहे हैं...

पटना में फायरिंग के बाद पुलिस ने कैसे अपराधियों को दबोचा? कुछ मौके से भाग गए, लेकिन शहर में स्थिति नियंत्रण में आयी

एजेंसी

पटना: पटना फायरिंग: बिहार में पटना के कंकड़बाग इलाके में आज अपराधियों ने एक घर के बाहर फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस ने उस जगह की घेराबंदी कर दी। फायरिंग के बाद सभी अपराधी पास के एक घर में छिप गए। गोलीबारी कंकड़बाग के रामलखन पथ पर दोपहर करीब 2 बजे हुई।पुलिस ने फायरिंग करने वाले चार बदमाशों को हिरासत में लिया है और कुछ अपराधी भाग गए। पुलिस फरार अपराधियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने बताया कि

फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस के मुताबिक बदमाशों ने चार राउंड फायरिंग की।ना एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया, चार राउंड फायरिंग की गई। घटना में चार लोगों को हिरासत में लेकर हिरासत में लिया गया है। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। इमारत के अंदर मौजूद सभी नागरिक सुरक्षित हैं। हम फरार हुए कुछ गुंडों की तलाश भी कर रहे हैं। स्थिति सामान्य है। हम अन्य आरोपियों की तलाश में कई जगहों पर छापेमारी कर रहे हैं। धर्मेंद्र अभी तक नहीं मिला है।" पटना पुलिस के मुताबिक, पुलिस के साथ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) भी मौके पर थी। फोर्स ने पूरी इमारत को चारों तरफ से घेर लिया था। पटना एसएसपी समेत सभी आला अधिकारी मौके पर मौजूद थे। एसटीएफ की टीम ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया।

मृत्यु कुंभ में बदल गया है अब महाकुंभ, योगी सरकार पर निशाना साधते हुए ममता ने ये क्या कह दिया?

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला किया और हाल ही में भगदड़ से संबंधित मौतों के संदर्भ में इसे 'मृत्यु कुंभ' कहा। बनर्जी ने आरोप लगाया कि जहां वीआईपी को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं, वहीं गरीबों को आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की आलोचना की, उस पर देश को विभाजित करने के लिए धर्म बेचने का आरोप लगाया और प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ धार्मिक समागम के लिए उचित योजना की कमी का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला किया और हाल ही में भगदड़ से संबंधित मौतों के संदर्भ में इसे 'मृत्यु कुंभ' कहा। बनर्जी ने आरोप लगाया कि जहां वीआईपी को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं, वहीं गरीबों को आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की आलोचना की, उस पर देश को विभाजित करने के लिए धर्म बेचने का आरोप लगाया और प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ धार्मिक समागम के लिए उचित योजना की कमी का आरोप लगाया।

जींद में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने महाकुंभ पर दिया बड़ा बयान- सिर्फ डुबकी लगाने से मोक्ष नहीं मिलता, यह भी करें

एजेंसी

नई दिल्ली:: प्रयागराज महाकुंभ में देश-विदेश के 50 करोड़ से ज्यादा लोग आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इसे लेकर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ डुबकी लगाने से मोक्ष नहीं मिलता। मोक्ष ज्ञान से मिलता है। कुंभ में आ रहे साधु-संतों से ज्ञान लें और अपने जीवन को सुधारें। कुंभ में शासन और प्रशासन की ओर से अच्छी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की भगदड़ से मौत पर उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है। श्री श्री रविशंकर जींद के सेक्टर 7 में आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से आयोजित फसल बचाओ

नस्ल बचाओ कार्यक्रम में आए थे। इस कार्यक्रम में 82 खापों के प्रतिनिधियों के आने का दावा किया गया।आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने खाप पंचायतों की मांग का पुरजोर तरीके से समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि एक ही गांव और गौत्र में शादी नहीं होनी चाहिए। यह रूढिवादी विचार नहीं है बल्कि पूरी तरह से वैज्ञानिक है। गौरतलब है कि खाप पंचायतें हिंदू मैरिज एक्ट में बदलाव की मांग कर रही है। उनका कहना है कि एक ही गांव, गुहांड और गौत्र में शादी नहीं होनी चाहिए। गदा लहरारते हुए दी बड़ी चेतावनी, पंचायतें इस चीज को छुड़वाएं खाप पंचायतों के प्रतिनधियों ने श्री श्री रविशंकर को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया और उन्हें गदा भेंट की। उन्होंने गदा लहराते हुए बड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा को भी नशे ने अपनी जकड़ में ले लिया है।

गंगा स्नान करने के दौरान डूबने से एक युवक की हुई दर्दनाक मौत

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

रोजनामा इंडो गल्फ
साहेबपर कमल / बेगूसराय साहेबपुर

कमाल थाना क्षेत्र के फूलमल्लिक गंगा नदी घाट स्थित टाटा ईट भट्ठा के सामने गंगा नदी में स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से डिप्लोमा के छात्र की डूबने से मौत हो गयी। मृतक छात्र की पहचान फूलमल्लिक गांव के वार्ड संख्या 6 निवासी रंजीत पटेल के 20 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में की गई मृतक दो भाई एक बहन था ।आदित्य बड़ा भाई था आदित्य डिप्लोमा की पढ़ाई पूरी करके प्राइवेट जॉब करता था। ग्रामीणों ने बताया कि आदित्य अपने दोस्तों के साथ गंगा नदी में स्नान करने के लिए गया था

तभी स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चला गया। दोस्तों के द्वारा बचाने का प्रयास किया गया लेकिन नहीं बचा पाए और डूबने से मौत हो गयी। काफी मशक्कत के बाद स्थानीय गोताखोर हितेश कुमार निराला कुमार अजीत कुमार भवेश कुमार के द्वारा मृत बॉडी को पानी से बाहर निकला गया घटना की सूचना मिलते ही फूलमल्लिक पंचायत के समिति सदस्य अभिषेक कुमार मुखिया प्रतिनिधि चंदन कुमार धटना स्थल पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना व्यक्त किए। साहेबपुरकमाल थाना अध्यक्ष राजीव रंजन पुलिस बल के साथ पहुंचकर मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया

डीएम ने कहा की जमीनी स्तर पर योजनाओं की निगरानी करें

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिलाधिकारी रिची पांडेय की अध्यक्षता में विमर्श कक्ष में आज आकांक्षी जिला कार्यक्रम से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीडीसी मनन राम,जिला योजना पदाधिकारी एवं संबंधित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिले के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, बुनियादी ढांचे और कौशल विकास जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आकांक्षी जिला योजना के तहत चिह्नित क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।इस दौरान डीएम ने जिले में चल रही केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों का मुख्य उद्देश्य लोगों की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाना है, जिसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर योजनाओं की मॉनिटरिंग करें और लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ दिलाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिले को आकांक्षी जिला से विकसित जिले की श्रेणी में लाने के लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

नावकोठी: डफरपुर पंचायत भवन में मनरेगा जॉब कार्ड शिविर, 205 लाभुकों को मिला लाभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय प्रखंड के डफरपुर पंचायत भवन अब्बूपुर में मंगलवार को मनरेगा जॉब कार्ड निर्माण हेतु शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 205 लाभुकों का निशुल्क जांबकार्ड निर्माण किया गया। मुखिया प्रतिनिधि ई रंजीत कुमार पमपम ने कहा कि बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना जरूरी है।इसके लिए तमाम अभिभावकों को अपने -अपने बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। पीएम आवास पलस योजना के तहत योग्य लाभुकों का सर्वेक्षण किया जाना है।इसमें किसी बिचौलिए की कोई भूमिका नहीं है।इस कार्य के लिए किसी प्रकार की राशि देने से परहेज करने की अपील की।राशि का लेन देन करने वाले पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।शतप्रतिशत अनुसूचित जाति के लाभुकों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करने की प्राथमिकता देनी है। मौके पर पीआरएस शुभम राज, बबलू, प्रिंस, वार्ड सदस्य हरि बदन पंडित, सुधीर सिंह, राम उदय चौधरी, मुकुंद कुमार आदि मौजूद थे।

उमरा के लिए हाफिज मोहम्मद दानिश को दिया गया चैक

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी : जामिया अहले सुफा बैरल मार्केट लमरा अहमदाबाद में सीतामढ़ी जिले के परिहार ब्लॉक के इंदरवा निवासी हाफिज दानिश इब्न मुहम्मद सदर आलम उर्फ ??अजले ने एक बैठक में पूरा कुरान दौर सुनाया, जिसके लिए मदरसा प्रबंधन समिति ने उन्हें 13000 रुपये का इनाम और उमरा के लिए चेक दिया है। जिसकी वजह से बहुत से लोगों ने मोहम्मद दानिश को बधाई देते हुए दुआएं दी है

जिलाधिकारी रिची पाण्डेय के पहल पर पुपरी प्रखंड क्षेत्र में रोका गया बाल विवाह

(बचपन बचाओ आंदोलन) एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम के सहयोग से एक नाबालिक लड़की का बाल विवाह होने से रोक गया है । प्राप्त जानकारी अनुसार डीएम रिची पाण्डेय, वरीय पुलिस उपाधीक्षक सह नोडल पदाधिकारी विशेष किशोर पुलिस इकाई मो 0 नजीब अनवर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुपरी सुगंध सौरभ को पुपरी थाना प्रखंड क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बच्ची का बाल विवाह से संबंधित सूचना मिली थी ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी जिला के पुपरी प्रखंड क्षेत्र के एक गांव में जिलाधिकारी रिची पाण्डेय के निर्देश पर प्रशासन , पुलिस , एसोसियेशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (बचपन बचाओ आंदोलन) एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम के सहयोग से एक नाबालिक लड़की का बाल विवाह होने से रोक गया है ।प्राप्त जानकारी अनुसार डीएम रिची पाण्डेय, वरीय पुलिस उपाधीक्षक सह नोडल पदाधिकारी विशेष किशोर पुलिस इकाई मो ० नजीब अनवर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुपरी सुगंध सौरभ को पुपरी थाना प्रखंड क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बच्ची का बाल विवाह से संबंधित सूचना मिली थी ।वरीय पदाधिकारी के निर्देशन में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुपरी सुगंध सौरभ के मार्गदर्शन में टीम ने गांव में पहुंच कर नाबालिग लड़की का बाल विवाह होने से रुकवाया है । दरअसल दसवीं की छात्रा नाबालिग लड़की का बाल विवाह परिवार वालों ने मुजफ्फरपुर जिला में तय कर दिया था और चौबीस फरवरी को इस माह शादी होने वाली थी । लेकिन प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुपरी सुगंध सौरभ के मार्गदर्शन में टीम ने गांव में पहुंचकर नाबालिग लड़की के परिवार को बाल विवाह निषेध अधिनियम की जानकारी दी वहीं नाबालिग के पिता से बॉन्ड पेपर बनाकर गया. साथ ही बाल विवाह करवाने पर नियानुसार कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। गौरतलब है की बाल विवाह निषेध अधिनियम पुरुषों के लिये न्यूनतम 21 वर्ष एवं लड़की के लिए 18 वर्ष निर्धारित करता है। बाल विवाह शिक्षा , स्वास्थ्य और बचपन पर नकारात्मक प्रभाव डालता हैं।बाल विवाह निषेध अधिनियम के अन्तर्गत आर्थिक दंड के साथ कारावास की सजा का भी प्रावधान है।बाल विवाह को रोकने में पुपरी थाना , मुकुंद कुमार चौधरी प्रतिनिधि ,एसोसियेशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (बचपन बचाओ आंदोलन), सपना कुमारी , रेखा कुमारी प्रतिनिधि चाइल्ड हेल्पलाइन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राशन लाभुक 31 मार्च तक अवश्य करवा लें ई - केवाईसी: एसडीम सन्नी कुमार सौरभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय प्रखंड कार्यालय स्थित कृषि भवन के सभागार में मंगलवार को आपूर्ति से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को लेकर डीलर्स की बैठक की गई।इसकी अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी कुमार सौरभ के की।बैठक में ई - केवाईसी पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने बताया कि अभी भी प्रखंड में 25 हजार लाभुक ई -केवाईसी नहीं करवाए हैं।ई - केवाईसी को मिशन मोड में करवाना सुनिश्चित करें। भारत सरकार के आदेशानुसार 31 मार्च तक छूटे हुए लाभुक जिन्होंने ई -केवाईसी नहीं करवाया है वह अवश्य करवा लें अन्यथा मार्च के बाद राशन से वंचित रहना पड़ेगा।बैठक में आपूर्ति संबंधी समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि अभी मात्र 88% ही राशन लाभुक को राशन वितरण किया जाता है। 90% से ऊपर राशन वितरण करने का आदेश दिया।उन्होंने कहा कि मृत व्यक्ति, गांव से बाहर रहने वाले व सक्षम व्यक्ति जो राशन लेने के अधिकारी नहीं है उन लोगों की सूची बनाकर अनुमंडल कार्यालय बखरी को सौंपें।वैसे लाभुक का नाम राशन कार्ड से विमुक्त किया जाएगा।वहीं उन्होंने बताया कि गरीब तबके के लोगों को किसी भी कीमत पर राशन से वंचित नहीं किया जाए। प्रखंड के राशन वितरक की समस्याओं को सुना और निदान करने का भरोसा दिया।इस दौरान प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी स्वाति, अध्यक्ष विष्णु देव सिंह, सचिव सुरेश साह, उपाध्यक्ष शशि रंजन कुमार,कोषाध्यक्ष रविंद्र भारती,राजीव कुमार, अनिल महतो, अनिल चौधरी, संजीव कुमार, नंदकिशोर चौधरी, राम प्रकाश पासवान आदि मौजूद थे।

पिस्तौल लहराते व शराब पीते फेसबुक पर वायरल वीडियो में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

मंसूरचक / बेगूसराय मंसूरचक थाना क्षेत्र के समसा गांव निवासी स्व रामप्रवेश मल्लिक का पुत्र अमर कुमार व अरुण मल्लिक का पुत्र अभिषेक कुमार का दो दिन पूर्व फेसबुक पर हथियार लहराते व शराब पीते वीडियो वायरल हुआ था।इसी आलोक में मंसूरचक थानाध्यक्ष रोहित कुमार गुप्ता दलबल के साथ दोनों युवको को गिरफ्तार कर पूछताछ किया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपनी संलिप्तता स्वीकारी तथा उसके निशानदेही पर कई जगह छापामारी पर हथियार बरामदगी को छापामारी किया गया लेकिन हथियार बरामद नहीं हो सका। गिरफ्तार युवकों पर मामला दर्ज कर पुलिस ने सोमवार को बेगूसराय न्यायालय भेज दिया।

हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,बुधवार | 19 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 48 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

www.Technicalpts.com

लखीसराय में एनडीए के संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष, सभी ने कहा - '2025 में एनडीए की जीत तय'

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- देशभक्ति और राष्ट्रहित एनडीए की पहचान : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कार्यकताओं को दिया मंत्र, 'एक रहेंगे, सेफ रहेंगे'
- सभी हाथों को काम देना एनडीए का लक्ष्य : डॉ. दिलीप जायसवाल
- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की आस्था को मिला सम्मान : डॉ. दिलीप जायसवाल
- कार्यकताओं की मेहनत रचेगी इतिहास : डॉ. दिलीप जायसवाल
- बिहार को अब 'लालटेन' नहीं, बिजली और उद्योग चाहिए : उमेश सिंह कुशवाहा
- बिहार में अब एक ही नारा, 'अबकी बार 225 पार' : राजू तिवारी
- 'माता-पिता' की सरकार ने बिहार को चौपट कर दिया था : मदन चौधरी

पटना, 18 फरवरी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने आज लखीसराय में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। सभी ने एक स्वर में अगले विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि 'हम जीतेंगे'।

लखीसराय के के.आर.के. हाई स्कूल मैदान में आयोजित विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।इस सम्मेलन में सभी घटक दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे। इस सम्मेलन के जरिए सभी घटक दलों के कार्यकताओं ने एकजुटता दिखाते हुए इस गठबंधन को मजबूत बनाने का विश्वास अपने अध्यक्षों को दिया।इस संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए के कई सांसद, विधायक और विधान पार्षद भी शामिल हुए।सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि एनडीए का लक्ष्य सभी युवकों को रोजगार और नौकरी देना है। इसके लिए न केवल बिहार में बल्कि केंद्र स्तर पर भी विभागों के रिक्त पदों को भरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तो समारोह आयोजित कर नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे है।उन्होंने कार्यकताओं को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष किसी भी तरह बिहार में फिर से जंगलराज लाने को लेकर तरह-तरह के सब्जबाग दिखा रहा है। उन्होंने कांग्रेस सहित राजद पर समाज में भेदभाव पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ये केवल बांटने की राजनीति करती है, जिससे भेदभाव पैदा किया जा सके।भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने देशभक्ति और राष्ट्रहित को एनडीए की पहचान बताते हुए कहा, " एनडीए सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए निरंतर सक्रिय है। हमारी कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान ह्यविश्वशक्तिह्न एवं ह्यविश्व गुरुह्न के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो।

हुसैनगंज में 4 वर्ष पूर्व गुम हुए लड़का प्रयागराज में मिला

कहा जाता है जिसको रखे साईया मार सके ना कोय ।जिसको ईश्वर नहीं मारे उसको दूसरा कौन मार सकता है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ये बात हुसैनगंज में चरीतार्थ होता हुआ सामने आया है. थाना मुख्यालय स्थित हुसैनगंज उत्तर मुहल्ला कुम्हार टोली से लगभग 4 वर्ष 4 महिने पूर्व एक लड़का अपने परिवार से गूम हो गया था. वह लड़का महा कुम्भ प्रयागराज में भीख मांगते हुए मिला. गुमशुदा लड़के की माँ ने बताई की मैं महाकुम्भ प्रयागराज में स्नान करने गयी थी. वहाँ पर चारों तरफ अपनी नजरें उसके तलाश में घुमाती रही परन्तु कुछ पता नहीं चला. वहीं हुसैनगंज बाजार के चार पांच व्यवसायी प्रयागराज स्नान करने इसी सप्ताह गये थे. वहाँ पर जब ये लोग गंगा में स्नान करके लौट रहे थे तो गुमसुदा लड़का अपने गाँव के लोगों को देख कर पहचान लिया और दौड़ कर उनलोगों का पैर पकड़ लिया. वह प्रयागराज में कटोरा लेकर व्हील चेयर पर बैठ कर भीख मांग रहा था. गाँव वाले भी उसको पहचान लिए. चूंकि लड़का विकलांग और गूंगा दोनों था इसलिए इशारे इशारों में ही सब कुछ बता दिया. उसी दौरान जो उसका किडनैपर थे वहाँ पहुँच कर ये कहने लगे कि यह विकलांग लड़का मेरा छोटा भाई है. इस बात पर वहाँ कहासुनी होने लगी. कुछ देर में पुलिस उनलोगों को थाने में ले जाकर पुछताछ करने लगी. जब उसके घर से परिजनों द्वारा उसका आधार कार्ड भेजा गया और फोन पर सभी जानकारी दी गई तब वहाँ की पुलिस बौंड भरवा कर गाँव वालों के साथ घर ले जाने के लिए भेज दी. इधर पुलिस के ड़र से किडनैपर फरार हो गये. प्रयागराज से ट्रेन पर उसे गाँव लाया गया और उसकी माँ रेखा देवी को सौंप दिया गया. उसकी माँ अपने पुत्र को पाते ही सीने से लगा कर भाऊक हो गई और रोने लगी. इस बात की खबर मिलते ही उसके घर पर ग्रामीणों सहित सगे संबंधियों की भीड़ लगने लगी. सभी में खुशी का ठिकाना नहीं था. ???चारों तरफ चर्चा का विषय बना रहा कि चार वर्ष पूर्व हुए गूमसूदा लड़का सही

सलामत अपने घर आ गया है. लड़का की माँ ने बतायी कि दिसम्बर 2024 में उसका श्राद्ध कर्म भी कर दिया गया था. लड़का के पिता राम प्रवेश पड़ित अब इस दुनिया में नहीं हैं. उसकी माँ गाँव में मजदूरी करके अपना घर चलाती है. उस लड़का का एक बड़ा भाई है वह भी एक पैर से विकलांग है. जबकि बड़े भाई की 2024 में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी. इस संदर्भ में लड़का गूम हो जाने के पश्चात उस लड़का के परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किया गया परन्तु उसका कहीं भी अतापता नहीं चला. लापता बच्चे की माँ रेखा देवी ने बतायी कि कोरोना के समय नवंबर 2020 में छठ के दिन मेरा लड़का परमेश्वर पड़ित उम्र लगभग 25 वर्ष अपने घर हुसैनगंज से सुबह में खा पीकर सीवान चला गया था. वह शहर में लोगों से खाने पीने के लिए पैसे मांगता था.वह देर शाम तक घर नहीं लौटा तो उसका खोजबीन शुरू हुआ. सगे संबंधियों सहित रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, बाजार हाट, आदि स्थानों पर हफ्तों दिनों तक रात दिन एक करके पता किया गया लेकिन कहीं भी उसका अता पता नहीं चला. अंत में थक हार कर उसके परिजन घर बैठ गए. उन्हें ये अहसास होने लगा था कि कहीं सड़क दुर्घटना में उसका मौत हो गया होगा. या किसी ने उसका किडनैप कर लिया होगा. सभी परिजन उसके गूमसुदगी के तलाश में रोते बिलखते गम मार बैठ गये थे. वहीं बताया जाता है कि वह लड़का दोनों पैर से विकलांग है अपने हाथों के सहारे चलता है. वह तीन भाईयों में छोटा है. लड़का की माँ ने बतायी कि सीवान से उसका हाथ पैर और मुंह बांधकर किडनैपर कर लिया गया था और उसको मारपीट कर घायल करके भीख मांगवा जा रहा था. लड़का अपने परिवार से मिल कर बहुत खुश है.

4 वर्ष 4 महिने पूर्व एक लड़का अपने परिवार से गूम हो गया था. वह लड़का महा कुम्भ प्रयागराज में भीख मांगते हुए मिला. गुमशुदा लड़के की माँ ने बताई की मैं महाकुम्भ प्रयागराज में स्नान करने गयी थी. वहाँ पर चारों तरफ अपनी नजरें उसके तलाश में घुमाती रही परन्तु कुछ पता नहीं चला. वहीं हुसैनगंज बाजार के चार पांच व्यवसायी प्रयागराज स्नान करने इसी सप्ताह गये थे. वहाँ पर जब ये लोग गंगा में स्नान करके लौट रहे थे।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए अधिकारियों के साथ मधुबनी रेलवे स्टेशन एवं जयनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं एसपी योगेंद्र कुमार ने अपने वरीय अधिकारियों के साथ मधुबनी रेलवे स्टेशन एवं जयनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया ।उन्होंने रेलवे एवं आरपीएफ के अधिकारियों के साथ कुंभ यात्रा को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर विधि व्यवस्था का संधारण, सुरक्षित रेल यात्रा,स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाएं एवं किसी भी परिस्थिति से निपटने को लेकर रेलवे स्टेशन पर आपदा प्रबंधन विभाग की एसडीआरएफ टीम तैनाती आदि बिंदुओं पर व्यापक विचार विमर्श किया एवं संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, मधुबनी द्वारा जयनगर, मधुबनी रेलवेस्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा हेतु भीड़ प्रबंधन तथा विधिझव्यवस्था संधारण के दृष्टिगत की गई तैयारियों का निरीक्षण किया गया।आज दिनांक 18.02.2025 को महाकुंभ 2025 के अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, मधुबनी द्वारा जयनगर, मधुबनी रेलवेस्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा हेतु भीड़ प्रबंधन तथा विधिझव्यवस्था संधारण के दृष्टिगत की गई तैयारियों का निरीक्षण किया गया।

सदर एसडीओ अश्विनी कुमार, सदर एसडीपीओ राजीव कुमार, पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य रेल रेल अधिकारी उपस्थित थे '

मोबाइल चोर को पुलिस ने पकड़कर भेजा जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के मथुरापुर वार्ड संख्या 13 निवासी रोहित कुमार पिता मुन्ना कुमार शर्मा ने मथुरापुर थाना में दिनांक 17 फरवरी 2025 को आवेदन दिया है जिसमें उन्होंने लिखा है कि मैं जेएस लाइब्रेरी झील्ली चौक मथुरापुर के पास आनलाइन साइबर जोन केन्द्र चलाता हूँ। दिनांक 17 फरवरी को समय लगभग 05 बजे संध्या को ग्राहक सेवा केन्द्र पर प्रणव कुमार पिता रविशंकर कुमार लाभ साकिन मथुरापुर वार्ड 12 तथा अमित कुमार पिता स्व राजु राम साकिन अकबरपुर वार्ड संख्या 13 दोनो थाना मथुरापुर जिला समस्तीपुर मेरे दुकान पर जीडीएस का ऑनलाइन करवाने आये थे। मेरे काउंटर पर रेड मी नॉट 13 प्रो प्लस मोबाईल जिसका आईएमआई नंबर 869918065039409, 869918065039417 जिसने मोबाइल नं0 7979839712. 6202604578 लगा था। मैं काम में व्यस्त था इसी बीच ये दोनो व्यक्ति मेरा उक्त मोबाईल मेरे काउंटर पर से चोरी कर लिए तथा मोबाईल के संबंध में इन दोनो व्यक्तियो से पुछने पर मुझे धमकी देने लगे। जब इस बात की जानकारी आम हुई तो मेरे घर के लोग एवं आसपास के लोग जुट गये। इधर आवेदन प्राप्त होते ही मथुरापुर थाना के पीटीसी रहमत खान ने थाना अध्यक्ष के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के अंदर दोनों चोर को मोबाइल के साथ पकड़ा गया तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसकी पुष्टि थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने की।

90 प्लस मतदाता का बीएलओ कर रहे हैं सर्वे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के सभी बूथों पर मतदाता सूची में 90 प्लस मतदाता का उम्र वेरिफिकेशन कराने का कार्य अंतिम चरण पर है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजमल परवेज ने बताया कि सभी बीएलओ को इस कार्य को तीव्र गति से करने को कहा गया, ताकि रिपोर्ट समेकन कर जिला कार्यालय को भेजा जा सके।मतदाता सूची में कोई व्यक्ति मृत है तो फार्म 7 भरना है व उम्र गलत है तो फार्म 8 भरना होगा।

कृषि समन्वयक का अचानक हृदय गति रुकने से निधन, लोगों ने मौन धारण कर दी श्रद्धांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रमेश कुमार कृषि समन्वयक ताजपुर का दिनांक 17 फरवरी 2025 को अचानक हृदय गति अवरूद्ध होने के कारण निधन हो गया है। मृतक के आत्मा के शांति हेतु डॉ सुमीत सौरभ, जिला कृषि पदाधिकारी समस्तीपुर की अध्यक्षता में संयुक्त कृषि भवन समस्तीपुर के सभाकक्ष में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि परिवार के प्रशांत कुमार, सहायक निदेशक, उद्यान, अमित कुमार, सहायक निदेशक, रसायन, रिशु कुमार, सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण राजीव कुमार रजक, सहायक निदेशक पौधा संरक्षण, नवनियुक्त सभी सहायक निदेशक (शष्य), सभी नवनियुक्त प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक संघ समस्तीपुर के अध्यक्ष प्रभात कुमार, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार झा, सुजीत कुमार वर्मा, प्रभेष कुमार, रतेन्द्र कुमार, विजय रमण, सुरेश प्रसाद सिंह, कुमार अभय रंजन, प्रधान लिपिक, जिला कृषि कार्यालय समस्तीपुर रामनरेश प्रसाद साह, आशुटंकक जिला कृषि कार्यालय समस्तीपुर एवं संयुक्त कृषि भवन समस्तीपुर में कार्यरत सभी कार्यालय कर्मी ने भाग लिया।

333 कार्यरत आंगनबाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ कराया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- आईसीडीएस निदेशालय पटना के निर्देश के आलोक में सोमवार से प्रखंड के करीब 333 कार्यरत आंगनबाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ कराया गया है।कार्यक्रम का शुभारंभ सीडीपीओ प्रीति कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर की।इस कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी सेविकाओं को पोषण भी पढ़ाई भी को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।इसके लिए केवटी-रनवे आईसीडीएस कार्यालय से तैयार कार्यक्रम के माध्यम से पूरे प्रखंड के सभी 26 पंचायतों की आंगनबाड़ी सेविकाओं के लिए 3 बैच बनाए गए हैं।प्रशिक्षण 3 दिवसीय होगा और 17 फरवरी से प्रारंभ होकर 28 फरवरी 2025 तक चलेगा।जारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया है की प्रथम बैच का प्रशिक्षण 17 फरवरी से 19 फरवरी तक इसमें केंद्र संख्या 1 से 100 तक की सभी का भाग लेंगी।दूसरी

बैच 20 फरवरी से 24 फरवरी तक चलेगा,इसमें केंद्र संख्या 101 से 200 तक से की सेविका भाग लेंगी।तीसरी बैच 25 फरवरी से 28 फरवरी तक चलेगा,इसमें केंद्र संख्या 201 से 333 केंद्र तक की सेविका भाग लेंगी।प्रशिक्षण प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 5 बजे तक चलेगा।यह प्रशिक्षण बाल विकास परियोजना कार्यालय केवटी- रनवे मे दिया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन सेविकाओं को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी केवटी-रनवे प्रीति कुमारी,महिला प्रवेक्षिका शादमीन फातमा,पुतुल रानी व शिखा सरार्फ ने प्रशिक्षण दिया।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक हुई आयोजित।
- कृषि यंत्रीकरण से संबंधित लंबित आवेदनों को एक सप्ताह के अंदर कृषि समन्वयक के स्तर से यंत्रों का भौतिक सत्यापन कराते हुए अनुदान भुगतान में प्रगति लाना सुनिश्चित करें जिलाधिकारी-
- किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि सेल्फ रजिस्ट्रेशन के तहत प्राप्त आवेदनों को राजस्व एवं भूमि सुधार* विभाग के वेबसाइट पर जमीन संबंधित कागजातों की सत्यापन कर लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करना सुनिश्चित करें ।
- अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर किसानों की समस्याओं, उर्वरक की कालाबाजारी पर नजर रखने का दिया निर्देश।

मधुबनी:मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में कल देर शाम जिला स्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। कृषि यंत्रीकरण की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कृषि यंत्रीकरण से संबंधित लंबित आवेदनों को एक सप्ताह के अंदर कृषि समन्वयक के स्तर से यंत्रों का भौतिक सत्यापन कराते हुए अनुदान भुगतान में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि सेल्फ रजिस्ट्रेशन के तहत प्राप्त हो रहे आवेदनों को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के वेबसाइट पर जमीन संबंधित कागजातों की सत्यापन कर लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करना सुनिश्चित करें। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पीएम किसान योजना में इकेवाईसी, 100% भौतिक सत्यापन, एनपीसीआई, सेल्फ registration में निम्न प्रदर्शन करने वाले कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार, प्रखण्ड कृषि समन्वयक से स्पष्टीकरण पूछे। उर्वरक उपलब्धता के समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया की उर्वरक की उपलब्धता एवं बिक्री पर सतत निगरानी रखे, किसी भी स्थिति में उर्वरकों की कालाबाजारी की शिकायत नही मिलनी चाहिए। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि उर्वरक की बिक्री पर सतत निगरानी रखते हुए कृषि समन्वयक किसान सलाहकार की उपस्थिति में उर्वरक का वितरण उचित मूल्य पर करना सुनिश्चित करें साथ ही भ्रमणशील रहकर उर्वरक का निर्धारित मूल्य पर बिक्री एवं खुदरा उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण भी प्रतिदिन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि बंद पड़े नलकुपो को शीघ्र मरम्मति कर चालू करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि विद्युत अभियंता एवं नलकूप के अभियंता आपस में समन्वय कर विद्युत दोष से बंद पड़े नलकूपों को अविलंब चालू करवाना सुनिश्चित करे।

राजद के पूर्व विधायक डॉ फराज फातमी की अगुवाई में पार्टी का सदस्यता अभियान जोर-जोर से चलाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- केवटी प्रखंड के बरही पंचायत भवन के प्रांगण में राजद के पूर्व विधायक डॉ फराज फातमी की अगुवाई में पार्टी का सदस्यता अभियान जोर-जोर से चलाया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. फराज फातमी उपस्थित कार्यकर्ता व आम लोगों को बताया कि डबल इंजन की बिहार सरकार राज्य में गरीबों, शोषितों एवं निःसहाय को हर स्तर पर परेशान किया जाता है।महंगाई चरम पर है, चोरी-डकैती, बलात्कार की घटना में बढ़ोतरी हुई है।अगली विधानसभा की चुनाव में अगर राजद की सरकार बनी तो महिलाओं को माई-बहिन मान योजना के तहत 2500 प्रतिमाह दिए जाएंगे।वृद्धा पेंशन को बढ़ाकर 1500 रुपया कर दिया जाएगा।प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी।

मौके पर सैकड़ों लोगों ने पार्टी की संस्था ग्रहण किया।इस अवसर पर आयोजित बैठक को अब्दुल मन्नान अंसारी, सुवंश यादव, परवता यादव, अफजल हुसैन, फूल बाबू, अख्तर खान, सुमरित यादव, रिजवान अहमद रजी, चंद्रवीर यादव, रिजवान सेठ आदिल लोगों ने संबोधित किया।

पुसहो ने सखवा को फाइनल 100 रनों से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया, अमित कुमार बने मैन ऑफ द सीरीज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के बिथान प्रखंड के गांधी मैदान में आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला पुसहो और सखवा टीम के बीच खेला गया। पुसहो की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मैच शुरू होते ही दर्शकों ने हर चौके - छक्के पर तालियों बजाकर खिलाड़ियों हौसला बढ़ाया। पुसहो की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 249 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में खेलते हुए सखवा की टीम ने 249 रनों का विशाल स्कोर का पीछा करने उतरी तो पुसहो की टीम की गेंदबाजों ने 19.4 ओवर में 149 रनों पर सखवा टीम के सभी बल्लेबाजों को ऑल आउट कर दिया। इस प्रकार पुसहो की टीम ने सखवा को 100 रनों से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। यह जीत पुसहो की टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और उनके मनोबल को बढ़ाने वाली है। पुसहो की टीम ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। क्रिकेट टूनार्मेंट के आयोजन कर्ता समाजसेवी इंदु गुप्ता के द्वारा टूनार्मेंट में विजेता पुसहो एवं उप विजेता सखवा टीम को ट्रॉफी के साथ नगद राशि दिया गया दीपक कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। समाजसेवी इंदु गुप्ता ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाता है, ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचारा और खेल भावना को बढ़ावा मिलता है। इस तरह के आयोजन से ग्रामीण प्रतिभा को निखरने का मौका मिलता है। मैं इस तरह के आयोजनों को हमेशा समर्थन दूंगी और क्षेत्र में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत रहूंगी। मैन ऑफ द मैच रहे दीपक कुमार ने फाइनल मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 6 रन देकर 4 विकेट चटकाए। मैन ऑफ द सीरीज पुसहो टीम के ओलराउंड अमित कुमार को साइकिल दिया गया। अमित कुमार ने टूनार्मेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 195 रन एवं 4 विकेट भी चटकाए। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज सर्वजीत कुमार, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज सुभाष कुमार एवं सर्वश्रेष्ठ फिल्डर का पुरस्कार अभिषेक कुमार को दिया गया। संजय मुखिया व सोनू जायसवाल एम्पायर एवं चंदन मुखिया ने थर्ड एम्पायर की भूमिका निभाया। विकास कुमार, आलोक कुमार एवं मिथुन कुमार ने स्कोरर की भूमिका निभाया। मैन ऑफ द सीरीज रहे पुसहो टीम के अमित कुमार ने फाइनल मैच जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टूनार्मेंट के फाइनल मैच पुसहो और सखवा दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपने - अपने बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों का मनोरंजन किया। फाइनल मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय दर्शक और गणमान्य लोग मौजूद थे। टूनार्मेंट को लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह देखा गया, जहां युवाओं से लेकर बुजुर्गों भी क्रिकेट के रोमांच का लुत्फ उठाते दिखे।

मशरक-मढौरा के रास्ते चलने वाली 15079/15080 गोरखपुर-पाटलीपुत्र एक्सप्रेस 22 फरवरी तक रद्द

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर से थावे, मशरक के रास्ते पाटलिपुत्र स्टेशन तक जाने वाली और पाटलिपुत्र से चलकर मशरक थावे होकर गोरखपुर को जाने वाली 15079 और 15080 गोरखपुर पाटलिपुत्र एक्सप्रेस का परिचालन 18 से 22 फरवरी तक रद्द कर दिया गया है। इसकी जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गोरखपुर एवं पाटलीपुत्र से 18 से 22 फरवरी तक चलने वाली 15080/15079 गोरखपुर-पाटलीपुत्र- गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर बाइक पर सवार तीन में से एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज 18 फरवरी मंगलवार। सिवान के जीबी नगर तरवारा थाना क्षेत्र के हजपुरवा नवका बाजार पर स्कॉर्पियो ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी जहां बाइक पर सवार तीन व्यक्तियों में से एक की मौत घटना स्थल पर ही हो गई जब की दो लोग घायल हो गए जिनका इलाज सदर अस्पताल सिवान में चल रहा है। मृतक की पहचान पचरुखी थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी नवल किशोर के रूप में हुई है। वही घायलों में मृतक की पत्नी संगीता देवी और गोरेयाकोठी छितौली निवासी इंदरजीत है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायल इंद्रजीत बाइक चला रहा था, मृतक राजकिशोर और उनके पत्नी बाइक पर सवार थे । तीनों किसी संबंधी के यहां से लौट रहे थे। वही मौके से स्कॉर्पियो चालक गाड़ी के साथ फरार हो गया जिसकी जीबी नगर थाना के द्वारा तलाश की जा रही है।

बाइक सवार सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बाइक दुघर्टना में घायल ,पटना रेफर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चरिहारा पुल के पास बाइक सवार सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बाइक में दुर्घटना में गंभीर हालत में इलाज के लिए महावीर चौक पर निजी क्लीनिक में भर्ती कराए गए। घायल मशरक के बंगरा पंचायत के चरिहारा गांव निवासी सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शुभ नारायण सिंह शुभ हैं जो बाइक पर सवार होकर मशरक बाजार आए थे जहां से बाजार कर बाइक से गांव वापस जा रहें थे कि चरिहारा पुल पर पीछे से अनियंत्रित बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। निजी क्लीनिक में प्राथमिक उपचार के बाद पैर में गंभीर फ्रैक्चर बेहतर इलाज के लिए पटना एम्बुलेंस से ले जाया गया।

अपना किसान पार्टी की बैठक रंजीत कुमार कोर कमिटी सदस्य के अध्यक्षता में हुई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ) : - - जिले के ताजपुर प्रखंड अंतर्गत गौसपुर सरसौना ग्राम के प्रांगण में अपना किसान पार्टी की बैठक रंजीत कुमार कोर कमिटी सदस्य के अध्यक्षता में हुई। मुख्य अतिथी राष्ट्रीय अध्यक्ष जय लाल प्रसाद सिंह कुशवाहा उपस्थित हुए। ताजपुर प्रखंड के गौसपुर सरसौना निवासी समाजिक कार्यकर्ता राम निवास मिश्र को अपने संगठन का जिलाध्यक्ष समस्तीपुर का सर्व सम्मति से मनोनीत किया है।

मनोनयन पत्र जारी करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कुशवाहा ने आशा और विश्वास जताते हुए उम्मीद किया है कि पद का निर्वहन पुरी निष्ठा व लगन से करेगें तथा अपना किसान पार्टी के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ती तक पहुंचाऐगें। अब तक हिन्दुस्तान में किसानों की कोई राजनीतिक पार्टी नहीं थी। अब किसानों के लिए अपना किसान पार्टी सत्ता में भागीदारी दिलाने के लिए बचन बद्ध है। अब किसानों को दुसरी पार्टी से क्या मतलब है। अब तक सरकार के द्वारा लगातार बादा खिलाफी कार्य किसानों के लिए किया गया है। जब किसान सत्ता में जयेगी,तब सभी व्यवस्थायें दुरूस्थ होगी। वर्तमान में हिन्दुस्तान के 70% लोग किसान है।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर की पुण्यतिथि मनाई गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ) : - - डॉ0 लोहिया कपूर्री विशेश्वर दास महाविद्यालय ताजपुर में प्रधानाचार्य डॉक्टर प्रभात रंजन कर्ण की अध्यक्षता में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर की पुण्यतिथि मनाई गई ' प्रधानाचार्य समेत महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने महाविद्यालय में स्थापित उनके आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया ' प्रधानाचार्य ने संबोधित करते हुए बताया कि भारतरत्न कपूर्री ठाकुर बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे ' उन्होंने बिहार में गरीबों के लिए मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए कई योजनाएं शुरू की थी ' उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जैसे के पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की शुरूआत करना और शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना ' कपूर्री ठाकुर की मृत्यु 17 फरवरी 1988 को पटना में हुई थी उनके सम्मान में भारत सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया है बिहार सरकार ने भी उनके सम्मान में कई योजनाएं और संस्थाओं का नाम उनके नाम पर रखा है ' कपूर्री ठाकुर एक महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने बिहार और भारत के लिए कई महत्वपूर्ण योगदान दिए' उनकी विरासत आज भी हमें प्रेरित करती है और हमें समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती है 'उनको याद करना जीवन के यथार्थ से साक्षात्कार करना है ' उनके व्यक्तित्व और क्रियाकलापों में ऐसी पारदर्शिता थी कि सब कुछ साफ-साफ झलकता था ' इनके विचार और कर्म में गांधी-लोहिया का आदर्श प्रतिबिंबित होता था ' उन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सामाजिक सौहार्द कायम करने का जो ऐतिहासिक अभियान आरंभ किया था वह पूरे राष्ट्र को आजभी स्वीकार है ' मौके पर डॉ विनीता कुमारी, श्री निशिकांत जायसवाल, श्री रजत सुभ्र दास, डॉ उदय कुमार, डॉ अखिलेश कुमार, डॉ मुकुंद कुमार, डॉ मनोज कुमार सिंह, डॉ सुप्रिया कुमारी, डॉ रशीदा अमजदी, डॉ.सुलेखा कुमारी, कामिनी भारती, डॉ हरिमोहन प्रसाद सिंह, डॉ संजीव कुमार विद्यार्थी, डॉ कुमारी सुषमा सरोज,डॉ. शाजिया प्रवीण, डॉ अनिल शर्मा, डॉ रीना दुबे, डॉ कुमारी शशि प्रभा, डॉ ज्ञानवती झा, अजीत कुमार, सौरभ कुमार, मोहम्मद तबरेज आलम, रणविजय सिंह, मंजू कुमारी, उपेंद्र साह, रणधीर कुमार, कुमार शेखर, लाल बाबू साह,हरिश्चंद्र पोद्दार, कुमार रंजीत, आदि उपस्थित रहे '

भावि प्रत्याशी इंदु गुप्ता के द्वारा सात दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट का हुआ समापन

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बिथान * गांधी मैदान बिथान में सात दिवसीय क्रिकेट खेल का हुआ समापन,काफी रोमांचक फाइनल मैच सखवा और पुसहो के बीच खेला गया ।। सातवें दिन अंतिम मैच टॉस जीतकर पुसहो की टीम ने बैटिंग करते हुए 249 रनो का लक्ष्य मात्र 5 विकेट में खड़ा किया जबकी सखवा की टीम ने लक्ष्य को पार नहीं कर पाए, 148 रनों में सभी खिलाड़ी आउट हो गए, और अंपायर के द्वारा पुसहो की टीम को विजेता घोषित किया गया ।। इंदु गुप्ता के द्वारा पुसहो की टीम को चमचमाते हुए कप को सौंपा गया ।।वहीं अनुभव से भरे अंपायरिंग संजय मुखिया और सोनू जायसवाल के द्वारा देखा गया ।। मैन ऑफ द मैच दीपक कुमार को एवं मैन ऑफ द सीरीज अमित कुमार को वहीं अच्छे कमेंट्री के लिए नवीन कुमार को भी इंदु गुप्ता ने पुरस्कृत किया ।। मैच को रोमांचक और सफल बनाने में सुरेंद्र गुप्ता, पूर्व मुखिया कैलाश राय अवधेश कुमार, मनोज यादव, जितेंद्र कुमार,सोनू जायसवाल, संजय मुखिया आदि ने काफी योगदान दिया जिनका सराहना भावि प्रत्याशी के द्वारा मंच पर किया गया ।। और आगे भी इस तरह का खेल के लिए आशा रहने की उम्मीद जताई उन्होंने बोला हर जरूरतमंद के लिए साथ खड़े रहेंगे ।।.

श्मशान की भूमी के विवाद को लेकर मारपीट में एक दर्जन घायल, पुलिस टीम पर हमला

रोजनामा इंडो गल्फ,
सहायक संपादक,

मशरक के बहरौली गांव में श्मशान की जमीन पर पूर्व से हो रहे विवाद को लेकर मंगलवार की सुबह जमकर मारपीट में एक दर्जन लोग घायल हो गए वहीं घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम पर भी ग्रामीणों ने हमला कर दिया। जिसमें एक महिला जवान घायल और पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस टीम वाहन लेकर फरार हो गयी जिसमें उनकी जान बच पाई। वहीं घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी अमरनाथ, सीओ सुमंत कुमार,इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह और थानाध्यक्ष अजय कुमार भारी संख्या में पुलिस बल के साथ जांच-पड़ताल कर रहे हैं। घटना के बाद गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है वहीं भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में छापेमारी की जा रही है वहीं कुछ अवांछनीय तत्वों को हिरासत में लिया गया है। वहीं मारपीट में घायलों में बहरौली गांव निवासी स्व परमा राय का 50 वर्षीय पुत्र काशी नाथ ,काशी नाथ राय की 45 वर्षीय पत्नी कुंती देवी, उपेन्द्र राय की 40 वर्षीय पत्नी उमरावती देवी, उपेन्द्र राय का 18 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार,13 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार,बिहारी यादव की 26 वर्षीय पुत्री माला कुमारी, सुनील राय की 35 वर्षीय रीता देवी, मुन्ना राय की 21 वर्षीय पत्नी रिजू कुमारी, मुन्ना राय की 26 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार राय,स्व विक्रमा राय का 40 वर्षीय पुत्र उदय कुमार और पुलिस वाहन के भागने के दौरान वाहन की चपेट में आने से श्याम बहादुर महंतों का 40 वर्षीय पुत्र तेरस महंतों घायल हो गए। घायलों को इलाज के दौरान सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया जहां इलाज के बाद क्यूआरजी टीम की महिला जवान और एक ग्रामीण गंभीर हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। आपकों बता दें कि बहरौली गांव के वार्ड - 8 मे श्मशान की जमीन पर सुनिल राय समेत अन्य ने कब्जा कर रखा है जिस पर शव दाह संस्कार के दौरान रोक लगाने पर विवाद खड़ा हुआ जिसमें ग्रामीणों ने सीओ और थानाध्यक्ष को आवेदन दे रखा था जिस पर उचित कार्रवाई नहीं होने और गांव के ही एक शख्स की दिल्ली में मौत हो जाने पर शव जब गांव लाकर दाह संस्कार करने की कोशिश की गयी पर विरोध पर शव को दुमदुमा गांव में मुख्य सड़क पर रख घंटो जाम किया था।

कांग्रेस सेवा दल के द्वारा रेल मंत्री का पुतला दहन किया गया

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसरायःके निदेर्शानुसार जिला कांग्रेस सेवादल बेगूसराय के नेतृत्व में दिल्ली स्टेशन भगदड़ के विरोध में जिला सेवादल के कार्यकारी मुख्य संगठक सरोज कुमार पासवान ने रेलमंत्री अश्विन वैष्णव का पुतला दहन तेघड़ा बाजार के झंडा चौक पर किया। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यकताओं ने कांग्रेस भवन तेघड़ा से निकल कर रेलमंत्री इस्तीफा दो, धर्म का राजनीतिकरण बंद करो, आस्था से खिलवाड़ नहीं चलेगा आदि नारा लगाते हुए तेघड़ा बाजार मुख्य चौराहा पर पहुंचकर सबसे पहले कुंभभगदड़, सड़क दुर्घटना तथा दिल्ली स्टेशन पर हुए भगदड़ में मारे गए श्रद्धालुओं के प्रति दो मिनट मौन रहकर उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला सेवादल कार्यकारी मुख्य संगठक सरोज कुमार पासवान ने कहा कि जब तक भाजपा की सरकार रहेगी तब तक ऐसी ही भयानक, दुखदाई नरसंहार की खबरें आती रहेगी। क्योंकि सरकार को इन घटनाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता। सरकार को जनता की सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं है। अगर प्रधानमंत्री और रेलमंत्री में थोड़ी सी भी बेशर्मी बची है तो तुरन्त उसे अपने पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस सेवादल महिला अध्यक्ष रुचि सिंह ने कही कि पहले महाकुंभ में स्नान करने गए सैकड़ों लोग भगदड़ के बलि चढ़ गए। और अब महाकुंभ जा रहे सैकड़ो लोग नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ में कुचलकर मर गए। ये लोग मरे नहीं है, बल्कि सरकार ने जानबूझकर इनकी हत्या की है। प्रखंडअध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने कहा मोदी सरकार सीधे तौर पर इन सैकड़ों श्रद्धालुओं की हत्यारी है ।इन लोगों ने प्रचार के अलावा कुछ नहीं किया। इन लोगों ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक प्रचार तो खूब किया मगर व्यवस्था के नाम पर जनता को मरने के लिए धकेल दिया। मौके पर नगर अध्यक्ष रणधीर मिश्रा, नारायण सिंह, संजय सिंह, राजीव रंजन सिंह, बमबम कुमार, चरितर सिंह, जिवेश सिंह, रामबाबू साह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाइक सवार सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बाइक दुघर्टना में घायल ,पटना रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चरिहारा पुल के पास बाइक सवार सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बाइक में दुर्घटना में गंभीर हालत में इलाज के लिए महावीर चौक पर निजी क्लीनिक में भर्ती कराए गए। घायल मशरक के बंगरा पंचायत के चरिहारा गांव निवासी सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शुभ नारायण सिंह शुभ हैं जो बाइक पर सवार होकर मशरक बाजार आए थे जहां से बाजार कर बाइक से गांव वापस जा रहें थे कि चरिहारा पुल पर पीछे से अनियंत्रित बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। निजी क्लीनिक में प्राथमिक उपचार के बाद पैर में गंभीर फ्रैक्कर बेहतर इलाज के लिए पटना एम्बुलेंस से ले जाया गया।

न्यायपूर्ण नए बिहार के निर्माण के लिए महाजुटान रैली में शामिल हों- आसिफ होदा

रैली की तैयारी को लेकर आरवाईए- भाकपा माले कार्यकताओं ने चलाया जनसंपर्क अभियान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड ताजपुर/ 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में होने वाला बदलो बिहार महाजुटान रैली को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने को लेकर आरवाईए, भाकपा माले कार्यकताओं ने मंगलवार को ताजपुर कालेज मैदान से जनसंपर्क अभियान शुरू कर लोगों से भाग लेकर रैली को सफल बनाने की अपील की।

इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि यह रैली जन आंदोलनों का महाजुटान है। इसमें रसोइया, आशा, सेविका, सहायिका, ममता, जीविका, विद्यालय प्रहरी, सफाईकर्मी, कुरियर समेत तमाम स्कीम वर्कर्स शामिल होंगे।

आरवाईए जिला अध्यक्ष आसिफ होदा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दो दशकों से बिहार की सत्ता पर काबिज एनडीए की सरकार ने इस राज्य को देश के सबसे गरीब और पिछड़े राज्यों की श्रेणी में धकेल दिया है। तथाकथित डबल इंजन की सरकार डबल बुलडोजर, विश्वासघात और अन्याय की सरकार साबित हुई है। राज्य की असल जरूरत एवं बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह पीछे छूट गई है। बिहार सस्ते श्रम कू शोषण और पलायन का इलाका बनकर रह गया है। तमाम सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। जनता का हरेक हिस्सा तंगहाल और परेशान हैं और बदलाव की चौतरफा आवाज उठने लगी है।

खेग्रामस प्रखंड सचिव प्रभात रंजन गुप्ता ने कहा कि महाजुटान रैली में बिहार के बदलाव के आकांक्षी सभी लोग और अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे तमाम तबके शामिल हों और बिहार के बदलाव की लड़ाई मिल जुलकर लड़ने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि इसकी सफलता बिहार ही नहीं, पूरे देश में बदलाव का मजबूत संदेश देगी।

मौके पर मो० एजाज, नौशाद तौहीदी, वाहिद होदा, मुकेश कुमार गुप्ता, मनोज साह समेत बड़ी संख्या में छात्र-युवा मौजूद थे।

बखरी पुलिस ने चार आरोपी को भेजा जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बखरी / बेगुसराय बखरी पुलिस ने रविवार शाम को विभिन्न मामले के आरोपी को किया गया गिरफ्तार। जानकारी देते थाना अध्यक्ष फैयाज अहमद ने बताया कि संध्या अभियान के तहत विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि मध्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम के तहत बिथान थाना क्षेत्र के गंगाराम यादव के पुत्र कुंदन कुमार यादव तथा आमिर यादव के पुत्र नीतीश कुमार को शनिचरा घाट स्थित घर से गिरफ्तार किया गया। वही थाना कांड संख्या 224/12 के अभियुक्त गंगरहो निवासी राम लखन साह का पुत्र पप्पू साह उर्फ संजीव साह एवं मक्खाचक निवासी महावीर तांती का पुत्र बहादुर तांती को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा गया है।

नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित को समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।

संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियंका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा हैं जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं–

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न हिस्सों पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते हैं। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय में ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते हैं तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं

बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयों में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस में दाखिला ले सकते हैं।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोडूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनज़ीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूंढ सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुए बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस.)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसों में उपलब्ध है। इन कोर्सेस में दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है–

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्यूनिकेशन डिजाइन
- फर्निचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टटेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

आयकर राहत का मतलब पूंजीगत व्यय से सरकार का ध्यान हटना नहीं: वित्त मंत्री सीतारमण

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट 2025 में दी गई आयकर में भारी छूट का मतलब यह नहीं है कि सरकार ने पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यह बात कही। वित्त मंत्री की यह प्रतिक्रिया बजट 2025-26 में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को आयकर के दायरे से बाहर रखने के बाद यह बहस शुरू होने के बाद आई है कि सरकार ने लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी के आंकड़ों में धीमी वृद्धि को देखते हुए खपत को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत पर जोर देने की बात सही नहीं

मुंबई में हितधारकों के साथ बजट के बाद की बातचीत में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत पर जोर दिया गया है, सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय प्रावधानों में लगातार वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि व्यापक तस्वीर यह है कि कोविड के बाद से सरकार का जोर पूंजीगत संपत्ति बनाने के लिए सार्वजनिक व्यय पर बना हुआ है। इस बार, बजट 2025 में पूंजीगत व्यय पर खर्च का प्रस्ताव 10.2 प्रतिशत अधिक और लगभग 16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पीएसयू पूंजीगत व्यय भी शामिल है। सरकार ने खुद 2025-26 के लिए 11.21 लाख रुपये का पूंजीगत व्यय बजट में रखा है।

2024-25 के संशोधित अनुमानों में 13.18 लाख करोड़ के मुकाबले प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ होने का अनुमान है। प्रभावी पूंजीगत व्यय में मुख्य पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्यों को दिया जाने वाला सहायता अनुदान शामिल हैं। हालांकि पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान को बजट में राजस्व व्यय के रूप में शामिल किया जाता है, लेकिन वे राज्यों में पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण पर खर्च होते हैं हैं। वित्त मंत्री ने कहा, मुझे लगता है कि लोगों का यह सोचना कि पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर उपभोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है, यह सही नहीं है।

इा्रिटी बाजार में एफआईआई की बिकवाली पर वित्त मंत्री ने दी यह प्रतिक्रिया

आयकर पर सरकार के हालिया फैसले से मध्यम आय वर्ग के एक करोड़ भारतीय करदाता कर के दायरे से बाहर आ जाएंगे। इन कर राहत प्रस्तावों के परिणामस्वरूप, सरकार प्रत्यक्ष करों के मद में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये और अप्रत्यक्ष करों के मद में 2600 करोड़ रुपये का राजस्व गंवा देगी। सरकार को उम्मीद है कि कम आयकर होने से करदाता पैसे बचाकर इसे उपभोग, बचत या निवेश के रूप में अर्थव्यवस्था में वापस लगाएंगे। इक्विटी बाजार में एफआईआई की बिकवाली पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में ऐसा माहौल है जिसमें निवेश से अच्छा रिटर्न मिल रहा है और इसके साथ ही मुनाफावसूली भी हो रही है।

पूंजीगत व्यय पर जोर हमेशा से हमारी सरकार की प्राथमिकता

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय बजट बढ़ाया है और साथ ही कर में कटौती के माध्यम से कुछ रियायतें दी हैं, खासकर व्यक्तिगत आयकर, उन लोगों के लिए जो खर्च करना या बचत करना या निवेश करना चाहते हैं। वित्त ने करदाताओं के बारे में सोचने और उन्हें बड़ी कर राहत देने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस बात पर तुरंत सहमत हो गए कि बजट में 12 लाख रुपये तक की कर राहत का प्रस्ताव होना चाहिए। उन्होंने कहा, आज शायद (यह) ऐसा लग रहा है कि हमने पूंजीगत संपत्ति निर्माण के बजाय उपभोग बढ़ाने पर जोर दिया है, पर पूंजीगत व्यय पर जोर हमेशा से ही हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है। सीतारमण ने जोर देकर कहा कि केंद्रीय बजट में आयकर में दी गई छूट और आरबीआई रेपो दर में कटौती से अर्थव्यवस्था में खपत में सुधार को बढ़ावा मिलेगा। 2025-26 के केंद्रीय बजट में आयकर छूट सीमा को 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे करदाताओं, खासकर मध्यम वर्ग को काफी राहत मिली है।

पैसालो डिजिटल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। पैसालो डिजिटल लिमिटेड , एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, ने 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए शानदार आय की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में कंपनी का एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.31 प्रतिशत बढ़कर 47,488 मिलियन रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 20254 की तीसरी तिमाही में 42,280 मिलियन रुपये था। कंपनी ने अपने पहले विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड जारी करने में सफलता हासिल की, जिसकी राशि 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 4,230 मिलियन रुपये) है। इस तिमाही में कंपनी ने अपने फ्रैंचाइज़ी में रिकॉर्ड 1.41 मिलियन नए ग्राहक जोड़े। पहले 9 महीनों में कंपनी ने अपने ग्राहक फ्रैंचाइज़ी में 4.46 मिलियन ग्राहक जोड़े हैं। कंपनी ने अपने मार्जिन प्रोफाइल को बनाए रखा है, वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ब्याज आय 25 प्रतिशत बढ़कर 5,773 मिलियन रुपये हो गई, जो क्यू3 एफवाय 20 वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही 24 में 4,635 मिलियन रुपये थी। कंपनी ने प्रॉफ़िट बीफॉर टैक्स में 7.13 प्रतिशत और प्रॉफ़िट आफ्टर टैक्स में 8.06 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा, कंपनी ने बताया कि इसके प्रमोटर समूह ने बाजार लेनदेन के माध्यम से शेयर अधिग्रहित किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की थी, जिसमें उसने प्रमुख बैंकिंग भागीदारों, जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया , के साथ मजबूत व्यापार संवाददाता नेटवर्क के माध्यम से दो वर्षों में 3,400 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन शुरू करके 59 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान की। यह ऐतिहासिक उपलब्धि पैसालो की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो प्रौद्योगिकी और प्रमुख वित्तीय संस्थानों के साथ मजबूत साझेदारी के माध्यम से भारत के अंडर-बैंक्ड आबादी को सहज बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रही है।

अनएकेडमी: जेईई मेन 2025 सेशन 1 के नतीजों ने फिर रचा इतिहास

भोपाल। अनएकेडमी, भारत का प्रमुख एडटेक प्लेटफॉर्म, ने जेईई मेन सेशन-1 2025 के नतीजों के साथ एक बार फिर नए कीर्तिमान स्थापित किया हैं। अनएकेडमी के 920+ छात्रों ने 99 परसेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, जो इसकी ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा को जोड़ने वाले हाइब्रिड लर्निंग मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है। अनएकेडमी के सह-संस्थापक सुमित जैन ने इन शानदार परिणामों पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हमारे छात्रों ने एक बार फिर अपनी क्षमता और दृढ़ संकल्प को साबित किया है। ये परिणाम हमारे शिक्षकों की प्रतिबद्धता, हमारी अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता और हमारे हाइब्रिड लर्निंग मॉडल के प्रभाव को दर्शाते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि यह सिर्फ शुरुआत है और हमारे छात्र जेईई, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में नए रिकॉर्ड बनाते रहेंगे। शीर्ष स्कोररों में, सौरव ने 100 परसेंटाइल हासिल किया, उनके बाद उज्ज्वल केसरी (99.999प्रतिशत), समुद्र सरकार (99.992प्रतिशत), सृजन अग्रवाल (99.98प्रतिशत), यश कुमार (99.98प्रतिशत) और कई अन्य प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी मेहनत और लगन का प्रदर्शन किया। उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, अनएकेडमी लगातार अपने विस्तार को जारी रखते हुए अब भारत के 50 से अधिक शहरों में 75 से अधिक केंद्रों के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह प्लेटफॉर्म छात्रों को उत्कृष्ट संसाधनों, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और व्यापक शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने के अपने मिशन पर दृढ़ बना हुआ है, जिससे वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष रैंक प्राप्त करने के अपने सपने को साकार कर सकें।

बोझ नहीं लगेगा होम लोन का ब्याज, अपनाएं एसआईपी का 15 प्रतिशत फॉर्मूला

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है। इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्या है 15 फीसदी फॉर्मूला

पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉर्मूला काफी मददगार साबित हो सकता है। आप अपने होम लोन पर जितना ईएमआई चुकाते हैं, उसका 15 फीसदी हर महीने एसआईपी में डालना शुरू कर दें। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपके एसआईपी खाते में ब्याज राशि के बराबर या उससे ज्यादा रकम जमा हो जाएगी।

कुल फंड- 39,96,592 रुपयेगणना के हिसाब से देखें तो पता चलता है कि होम लोन की पूरी अवधि के दौरान आप जितना ब्याज चुकाते हैं, उससे अधिक रकम आपके एसआईपी खाते में जमा हो गई है।

...तो पूरा कर सकते हैं कर्जमुक्त घर का सपना

अगर आप स्मार्ट निवेशक हैं और एसआईपी में अपना योगदान बढ़ा सकें, तो अपना पूरा घर कर्जमुक्त करा सकते हैं। मान लीजिए, आपने एसआईपी में अपना मासिक योगदान बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया। सालाना 12 फीसदी के अनुमानित रिटर्न पर यह योगदान 20 साल में बढ़कर 69,94,035 रुपये हो जाएगा। इसमें 53,14,035 रुपये का अनुमानित रिटर्न भी शामिल है। इस तरह, 20 साल बाद आपके एसआईपी खाते में कुल 69,94,035 रुपये जमा हो जाएंगे, जो कुल 63,62,717 रुपये की होम लोन देनदारी से अधिक है। यानी आपका पूरा घर कर्जमुक्त।

836 करोड़ रुपये का घाटा होने के बावजूद एमटीएनएल के शेयर चढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी टेलीकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के लिए 836 करोड़ रुपये का नेट लॉस दर्ज किया है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 839 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के खराब नतीजों के बावजूद आज गिरावट भरे बाजार में एमटीएनएल के शेयरों में तेजी है। आज यानी सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे के करीब 3.65 पर्सेंट ऊपर 48.55 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। जबकि, सेंसेक्स में 424 अंकों की गिरावट थी और यह 75515 पर था। कंपनी के तिमाही नतीजों की बात करें तो एमटीएनल का ऑपरेशन से रेवेन्यू साल दर साल 11.6 प्रतिशत कम हो गई है। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 192.2 करोड़ थी और अब 170 करोड़ तक आ गई है।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ने लॉन्च किया इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने हाल ही में एक अभिनव पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम की शुरुआत की है। यह विशेष रूप से अगली पीढ़ी के पब्लिक हेल्थ लीडरों को तैयार करने के लिए विकसित किया गया है जिससे वे जटिल वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में समर्थ बनेंगे। प्लस टू परीक्षा में न्यूनतम कुल 60 प्रतिशत अंकों के साथ अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों के लिए यह प्रोग्राम खुला है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत एक सुसंरचित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जो महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी, स्वास्थ्य प्रणाली एवं नीति, स्वास्थ्य परियोजना प्रबंधन और स्वास्थ्य अनुसंधान को समावेशित करते हुए वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों को एकीकृत करता है। यह अनुसंधान, डेटा एनालिटिक्स और कार्यक्रम मूल्यांकन पर व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करता है। ग्रेजुएट्स को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों , अनुसंधान संस्थानों, सीएसआर पहलों, कंसल्टिंग फर्मों, आईटी कंपनियों, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों, फार्मा और क्लिनिकल रिसर्च आर्गेनाईजेशनों, सरकारी स्वास्थ्य विभागों एवं शिक्षण संस्थानों में अपना विविध करियर बनाने की दिशा में लाभ मिलेगा। उनके पास प्रोग्राम ऑफिसर, रिसर्च ऑफिसर, परियोजना प्रबंधक जैसी भूमिकाएँ अपनाने या डॉक्टरेट की पढ़ाई करने का विकल्प होगा। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी अभिनव शिक्षा, अनुभवी फैकल्टी और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है जो इसे पब्लिक हेल्थ प्रोफेशनल बनने की महत्वकांक्षा रखने वाले छात्रों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाता है।

एक और रेलवे स्टॉक का बुरा हाल, 52 वीक लो पर भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। तीतरगढ़ रेल सिस्टम्स के शेयरों का बुरा हाल है। तिमाही नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी है। आज यानी सोमवार को कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए थे। बता दें, आज से पहले 2 दिन कारोबारी दिन में कंपनी के शेयर 7 प्रतिशत से अधिक टूट गए थे।

आज कंपनी के शेयरों की कीमतों में गिरावट आई है- बीएसई में आज कंपनी के शेयर 803.95 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 762.80 रुपये के स्तर पर आ गया था। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। बता दें, 27 जून 2024 को कंपनी का 52 वीक हाई 1896.50 रुपये है। तीतरगढ़ रेल ने बताया है कि दिसंबर तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 62.80 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 16 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 74.80 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का रेवन्यू सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 902.20 करोड़ रुपये रहा है।

2025 के सीजन में चीनी उत्पादन कम होने की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के चीनी उद्योग में चालू चीनी सीजन वर्ष 2025 (एसएसवाई25) के लिए उत्पादन में उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है, जिसमें कुल उत्पादन 27 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से नीचे गिरने की उम्मीद है। यह पिछले साल के 31.8 एमएमटी के मुकाबले तेज गिरावट है। सेंट्रम ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। 15 फरवरी, 2025 तक देश में चीनी उत्पादन 19.77 एमएमटी है, यह आंकड़ा पिछले सीजन की इसी अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। उत्पादन में गिरावट मुख्य रूप से इथेनॉल उत्पादन के लिए अधिक चीनी के इस्तेमाल और गन्ने की उपलब्धता में कमी के कारण है।

चीनी के उत्पादन में सबसे ज्यादा कमी महाराष्ट्र में- चीनी उत्पादन के राज्यवार आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां चीनी उत्पादन में सालाना 14 फीसदी की गिरावट आई है। कर्नाटक में 13 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि उत्तर प्रदेश में 8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। उल्लेखनीय रूप से, पिछले पखवाड़े में कर्नाटक की गन्ना उपलब्धता में साल-दर-साल आधार पर 22 फीसदी की गिरावट आई। महाराष्ट्र में गन्ने की उपलब्धता में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत कम हुई वहीं यूपी में चालू सीजन के लिए गन्ने की उपलब्धता 1.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपेक्षाकृत स्थिर रही।

मिलों में गन्ने की आपूर्ति घटने के कारण समय से पहले पेराई बंद

रिपोर्ट के अनुसार घटती गन्ना आपूर्ति ने कई मिलों को उम्मीद से पहले पेराई कार्य बंद करने के लिए मजबूर किया है। 31 जनवरी तक 23 मिलों ने पेराई का काम बंद किया था, जबकि 15 फरवरी तक 51 मिलों ने परिचालन बंद कर दिया। एसएसवाय25 के लिए कुल गन्ना पेराई पिछले सीजन के 228 एमएमटी से 4.5 प्रतिशत कम होकर 218 एमएमटी रह गई। हाल ही में नीतिगत बदलाव करते हुए सरकार ने भारतीय खाद्य निगम चावल के मूल्य वृद्धि को वापस लेते हुए इसे 22.5 रुपये प्रति किलोग्राम तय कर दी है।

इथेनॉल की कीमतों में बदलाव के फैसले से कारोबारी निराश

हालांकि, इथेनॉल मूल्य की कीमतों में बदलाव ने कारोबार से जुड़े लोगों को निराश किया है, क्योंकि केवल सी-हैवी रूट में 3 प्रतिशत की कीमत वृद्धि देखी गई, जो कि बी-हैवी और प्रत्यक्ष इथेनॉल उत्पादन में व्यापक वृद्धि की उम्मीदों के विपरीत है।

उत्पादन में गिरावट के बावजूद चीनी की कीमतें स्थिर और लाभकारी

उद्योग के विशेषज्ञों का सुझाव है कि मिलें सीएच-आधारित इथेनॉल उत्पादन पर जोर दे सकती हैं, जिससे संभावित रूप से चीनी उत्पादन अधिक और इथेनॉल उत्पादन कम हो सकता है। उत्पादन में गिरावट के बावजूद, चीनी की कीमतें स्थिर और लाभकारी बनी हुई हैं।

उत्तर प्रदेश में चीनी की कीमतें 41,000 रुपये प्रति टन के आसपास हैं, जबकि महाराष्ट्र में कीमतें 37,500 रुपये प्रति टन से ऊपर हैं।

67 के शेयर को खरीदने की मची होड़, लगा 20 प्रतिशत का अपर सर्किट

कंपनी को हो गया 462 प्रतिशत का प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। माइक्रो-कैप स्टॉक रिलायबल डेटा सर्विसेज लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर में आज 20 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया और यह 81 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। इसका पिछला बंद प्राइस 67.50 रुपये है। पांच दिन में यह शेयर 15 प्रतिशत चढ़ गया। पिछले पांच सालों में स्टॉक ने 150 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे दिसंबर तिमाही के नतीजे हैं।

कंपनी को 462 प्रतिशत का प्रॉफिट- रिलायबल डेटा सर्विसेज लिमिटेड ने रेवेन्यू और नेट प्रॉफिट दोनों में मजबूत तेजी देखी गई है। माइक्रो-कैप कंपनी का दिसंबर साल-दर-साल 462 प्रतिशत प्रॉफिट हुआ है। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 34.29 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया। यह त्त्ठ स्त्र्ड्ड24 में 20.52 करोड़ रुपये से 67 प्रतिशत बढ़ोतरी देखी गई। तिमाही के लिए नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 462 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4.11 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 0.73 करोड़ रुपये था। इसके अलावा तिमाही आधार पर वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट में 1.27 करोड़ रुपये से प्रभावशाली 223 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनी की शेयरहोल्डिंग पैटर्न

दिसंबर 2024 के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, प्रमोटरों के पास रिलायबल डेटा सर्विसेज लिमिटेड का 71.77 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पास 0.08 प्रतिशत और खुदरा निवेशकों के पास 28.15 प्रतिशत हिस्सा है। रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि रोहित शर्मा के पास कंपनी में 1.00 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है।

घरेलू मेडिकल संस्थानों में उपलब्ध कुछ सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और इस तथ्य के कारण कि कुछ देश बहुत कम ट्यूशन फीस देते हैं, भारतीय छात्र अक्सर विदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना चुनते हैं। इससे उन्हें अधिक किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। अन्य आकर्षक कारकों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना, निजी कॉलेजों में उच्च ट्यूशन फीस, अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना और कुछ देशों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा शामिल हैं। इसलिए, इन छात्रों का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना और भारत वापस आना है। (भले ही कुछ लोग विदेश में बसना चाहते हों, लेकिन यह प्रवृत्ति भारत में चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों से बहुत अलग नहीं हो सकती है) । इसलिए, विदेशी चिकित्सा-स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने की उनकी क्षमता मुख्य चिंता है। क्या सरकार इसे समाप्त कर देगी और इसकी जगह सभी छात्रों के लिए एक परीक्षा लाएगी, चाहे डिग्री भारत से हो या विदेश से? मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन कारकों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेजी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200, 000 से 300, 000 रुपये खर्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली है। छात्रों को एक बहुसांस्कृतिक सेटिंग से अवगत कराया जाता है जो उनके जीवन के अनुभवों और ज्ञान को व्यापक बनाता है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं। चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20, 000 से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन लेने वाले 32, 000 भारतीय छात्रों में से केवल 4, 000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए, उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे बोझ हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24, 000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुकसान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10, 000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75, 000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है।

उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना जरूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है, जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं।

चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मजबूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर जोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना जरूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन जरूरी है।

एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी) , भारत और विदेशों दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। मेडिकल सीटें बढ़ाने, निजी कॉलेज ट्यूशन को नियंत्रित करने और एफएमजी एकीकरण को मजबूत करने की तीन-आयामी रणनीति आवश्यक है। संकाय मानकों और मेडिकल सीट वितरण के सम्बंध में एनएमसी के 2023 के सुधार सकारात्मक कदम हैं। इसके अलावा, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना भारत की स्वतंत्रता की गारंटी देते हुए गुणवत्ता और पहुँच में सुधार कर सकता है। भारत से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस प्रवास के बारे में मेरी कोई बुरी नहीं है। भारत में, चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी है। प्रवेश की बाधाएँ तर्कहीन हैं। मुझे ऐसा लगता है कि बहुत से और छात्र डॉक्टर बनने में सक्षम हैं। भारत में और अधिक डॉक्टरों की सख्त जरूरत है, खासकर उन लोगों की जो देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने के इच्छुक हैं। स्वास्थ्य सेवा में इन देशों की उपलब्धियों को देखते हुए, मध्य एशिया में चिकित्सा शिक्षा खराब नहीं है।

यदि वे भारतीय छात्रों के नामांकन का उपयोग क्षमता उपयोग बढ़ाने और अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के लिए करते हैं, तो वहाँ के कॉलेज अधिक प्रभावी और स्थायी रूप से कार्य करेंगे। अगर इससे भारतीय छात्रों के एक समूह को डॉक्टर बनने में मदद मिलती है तो यह दोनों पक्षों के लिए जीत वाली स्थिति है। असफलता की भी संभावना है। कुछ लोग भारत में काम करने की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। कुछ उप-एजेंट या निजी ठेकेदार अधिक छात्रों को आकर्षित करने के प्रयास में कुछ प्रासंगिक जानकारी को रोक सकते हैं। तब आपातकालीन स्थितियाँ हो सकती हैं, जैसे कि चीन में कोविड-19 महामारी या यूक्रेन में युद्ध। इनके परिणामस्वरूप छात्रों के एक समूह को महत्त्वपूर्ण नुकसान उठाना पड़ सकता है। भारत सरकार की नीति आपातकालीन स्थितियों में भी छात्रों की मदद करने में बहुत अच्छी नहीं है। विदेशों में चिकित्सा शिक्षा के सम्बंध में भारत सरकार की एकमात्र कार्यवाही भारत में अभ्यास के लिए योग्यता परीक्षा को और अधिक कठोर बनाना है। यह सवाल विवादास्पद है कि ऐसी परीक्षा कितनी कठिन होनी चाहिए। मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सराहनीय फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कार्यस्थल पर वरिष्ठों के बर्ताव को लेकर बड़ा फैसला दिया है। कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की ड़ांट-फटकार को इरादतन किया गया अपमान नहीं माना जा सकता, जिस पर आपराधिक कार्यवाही की जरूरत हो। ऐसे मामलों में व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक आरोप लगाने की अनुमति देने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पीठ ने कहा महज गाली-गलौच, असभ्यता व अशिष्टता भारतीय दंड़ संहिता की धारा 504 के तहत आदतन किया गया अपमान नहीं है। यह धारा शांति भंग करने के इरादे से जान-बूझकर अपमान करने से संबंधित है, जिसमें दो साल की सजा का प्रावधान है। मामले में राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण संस्थान के कार्यवाहक निदेशक पर सहायक प्रोफसर को अपमानित करने का आरोप था। शिकायतकर्ता के अनुसार निदेशक ने अन्य कर्मचारियों के समक्ष ड़ांटा व फटकारा था। यह सच है कि कार्यस्थल से संबंधित अनुशासन और कर्तव्यों के निर्वहन से जुड़ी फटकार, जो व्यक्ति कार्यस्थल पर प्रबंधन करता है, वह अधीनस्थों से अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा व समर्पण से पूरी करने की उम्मीद करेगा। हालांकि स्पष्ट तौर पर देखने में आता है कि अनुशासन के नाम पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों के साथ संतुलित बर्ताव का अभाव नजर आता है। लहजा गलत हो भी तो नीयत बुरी नहीं होनी चाहिए, परंतु इस बारीक अंतर को समझना या समझा पाना भी आसान नहीं है। सेना के सख्त अनुशासन के दरम्यान कई बार ऐसी खबरें आती रहती हैं, जहां नीचे के ओहदे के सैनिक द्वारा अपने अधिकारी की हत्या तक कर दी गई। तय रूप से काम का दबाव, उच्च दर्जे की तामील, पाबंदियां और तय वक्त पर जिम्मेदारियों का निर्वहन अधिकारियों के जेहन पर खासा दबाव बनाते हैं। वे भी तनावग्रस्त या काम के बोझ के चलते सामान्य बर्ताव करने से चूक सकते हैं। यहां बात सिर्फ उच्चाधिकारियों या कनिष्ठों तक ही सीमित नहीं है। कार्य-स्थल पर अभद्र भाषा या गाली-गलौच करने वाले अशिष्ट अधिकारियों के बर्ताव को लेकर भी कर्मचारी क्षुब्ध रहते हैं। ज्यों कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ होने वाले उत्पीड़न व अभद्र बर्ताव को लेकर कानून बनाए गए हैं। वैसे ही समस्त कर्मचारियों के हित में भी व्यवहारगत संहिता लागू किए जाने की जरूरत है। मानवता कहती है, ओहदे ऊपर-नीचे होने से दोयम बर्ताव करने का हक किसी को नहीं दिया जा सकता। यह नियम मालिकान व मुलाजिम पर भी लागू होता है।

चिंतन-मनन

ईश्वर हमेशा भक्तों की सहायता करता है

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्रों कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छ सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था।...

केजरीवाल की हठधर्मिता ने डुबोई आप की नैय्या

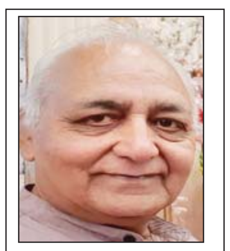

तनवीर जाफ़री

दिल्ली की 70 सदस्यों की विधान सभा हेतु हुए 2015 के चुनाव में 70 में से 67 सीटें तथा 2019 में दिल्ली की सातवीं विधानसभा चुनाव में 62 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त करने वाली आम आदमी पार्टी पिछले दिनों दिल्ली चुनाव की जंग हार गयी। भारतीय जनता पार्टी को जहां पूर्ण बहुमत के साथ जहां 48 सीटें हासिल हुई वहीं आप को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। आप के लिये सबसे बड़ा झटका यह भी रहा कि सत्ता गंवाने के साथ ही उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल सहित पार्टी के और भी कई दिग्गज नेता चुनाव हार गये। कुछ राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पराजय से पार्टी के अंत की शुरूआत हो चुकी है। यदि ऐसा है तो वास्तव में इसका जिम्मेदार कौन है ? क्या वजह थी कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में 43.57 प्रतिशत मत प्राप्त होने के बावजूद आप को केवल 22 विधानसभा सीटों पर ही जीत हासिल हुई जबकि भाजपा ने मात्र दो प्रतिशत अधिक यानी 45.56 प्रतिशत मत प्राप्त कर 48 सीटों पर जीत दर्ज की। नतीजों से साफ है कि भाजपा ने त्रिकोणीय संघर्ष का लाभ उठाकर ही आम आदमी पार्टी से 26 सीटें अधिक हासिल कीं और दिल्ली की सत्ता आप के हाथों से झटक ली। हालांकि हार के बावजूद आम आदमी पार्टी के इस तर्क को भी नकारा नहीं जा सकता कि बावजूद इसके कि बीजेपी के साथ प्रोपेगंडा,सरकार की सारी मशीनरी ,मीडिया,धनबल व बाहुबल सब कुछ थे,फिर भी उसे आप से मात्र दो प्रतिशत ही ज्यादा वोट मिले हैं।

सवाल यह है कि 2011 में यू पी ए सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बाद 26 नवंबर 2012 को देश के अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा अरविन्द केजरीवाल के राष्ट्रीय संयोजकत्व में स्थापित की गयी आम आदमी पार्टी जोकि न केवल दिल्ली में सत्ता में थी बल्कि वर्तमान समय में देश के समृद्ध राज्य पंजाब में भी सत्तारूढ़ है वही नया नवेला राजनैतिक दल आखिर किन वजहों से और किन परिस्थितियों में इस अंजाम तक जा पहुंचा कि आज आप के अंत पर चर्चा छिड़ गयी है ? सच पूछिये तो दिल्ली में भाजपा की संभावित फतेह की सुगबुगाहट तो दरअसल उसी समय शुरू हो गयी थी जबकि आप ने विगत अक्टूबर 2024 को हरियाणा में हुये विधानसभा चुनाव में इण्डिया गठबंधन घटक का सदस्य होने के बावजूद राज्य की 89 सीटों पर चुनाव लड़ा और कांग्रेस को हरियाणा की सत्ता में वापसी से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरतलब है कि कांग्रेस हरियाणा में 90 में 7 सीटें आप के लिये छोड़ने को तैयार थी परन्तु केजरीवाल की जिद थी कि कांग्रेस उसे 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करने दे। इस बात पर दोनों दलों में समझौता नहीं हो सका। और आप ने 89 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिये। नतीजतन अअढ को राज्य भर में केवल 1.53% वोट प्राप्त हुए। जिन्होंने कांग्रेस को हराने व भाजपा को जिताने में अहम भूमिका निभाई। 2024 में आप द्वारा 10 सीटें तब मांगीं जा रही थीं जबकि 2019 में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर ठडळअ से भी काफी कम था। इसी हरियाणा चुनाव परिणाम के बाद ही दिल्ली में भी इसी तरह के चुनाव परिणाम की उम्मीद की जाने लगी थी। जाहिर है ऐसे विध्वंसक फैसले लेने के लिये स्वयं अरविन्द केजरीवाल ही जिम्मेदार थे। वैसे भी 2012 में आप अपने गठन के साथ ही उस समय विवादों में आ गयी थी जबकि अन्ना हजारे ने केजरीवाल द्वारा आम आदमी पार्टी के रूप में नया राजनैतिक दल बनाने की कोशिश का विरोध किया था। हालांकि अन्ना हजारे व केजरीवाल दोनों ही नेताओं को लेकर एक बड़े राजनैतिक विश्लेषक वर्ग का यह भी मानना है कि अन्ना आंदोलन हो या केजरीवाल की तर्ज -ए -सियासत,दरअसल यह सब कांगेस के विरोध में तथा भाजपा को फायदा पहुँचाने के लिये रचा गया एक बड़ा राजनैतिक चक्रव्यूह है,अन्यथा क्या कारण है कि जिस जनलोकपाल को लेकर आंदोलन व राजनैतिक दल खड़ा किया गया था उसका जिक्र इन्हीं नेताओं के मुंह से अब क्यों सुनाई नहीं देता। पिछले दस सालों में बड़े से बड़े घोटाले उजागर हुये, उनके विरोध अन्ना हजारे ने आंदोलन क्यों नहीं किया ?

इसके अलावा आप के गठन के फौरन बाद ही जिसतरह पार्टी के संस्थापक लोगों व अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा पार्टी छोड़ने का सिलसिला शुरू हुआ उसका भी मुख्य कारण केजरीवाल का जिद्दीपन व उनकी हठधर्मिता ही थी। क्या वजह थी कि आम आदमी पार्टी को सबसे पहले चंदा देने वाले पूर्व कानून मंत्री सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील शांति भूषण जिन्होंने पार्टी की स्थापना पर 1 करोड़ रुपए का चंदा दिया था, 2014 से ही उनका आप से मोहभंग हो गया ? शांति भूषण ने उसी समय केजरीवाल को अनुभवहीन, दिल्ली विधानसभा चुनावों में टिकट बंटवारे में गड़बड़ी करने व पार्टी में मनमानी चलाने जैसे अनेक आरोप लगाए थे। इसी तरह केजरीवाल के एक और खास साथी एक्टिविस्ट आशीष खेतान, एक प्रसिद्ध टीवी न्यूज चैनल के मैनेजिंग एडिटर के पद से इस्तीफा देकर आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले आशुतोष,पार्टी का थिंक टैंक व पार्टी की कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वाले प्रशांत भूषण जैसे साथियों को केजरीवाल संभाल नहीं सके। इसी तरह राजनीतिक विचारक योगेंद्र यादव को जोकि आम आदमी पार्टी के लिए चुनावी रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाते थे उन्हें भी प्रशांत भूषण के साथ ही पार्टी विरोधी गतिविधि?ों के आरोप में पार्टी से निकाल दिया गया। समाजशास्त्री आनंद कुमार, पैथोलॉजिस्ट अंजली दमानिया, सामाजिक कार्यकर्ता मयंक गांधी,किरन बेदी ,शाजिया इल्मी, विनोद कुमार बिन्नी,कपिल मिश्रा,एमएस धीर सहित और भी कई नेता या तो पार्टी छोड़ गये या फिर निष्क्रिय हो गये। ऐसे सभी नेता केजरीवाल के साथ काम कर पाने में स्वयं को असहज महसूस कर रहे थे। परिणामस्वरूप अनेक साथी नेताओं के मना करने के बावजूद केजरीवाल अपनी जिद में ही दिल्ली में विवादित शराब नीति लाये जोकि उनकी राजनैतिक तबाही व बदनामी का कारक साबित हुई।

दुष्कर्मः विवाह के झूठे वादों से बढ़ते मामले

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल झूठी शादी की शपथ की आड़ में कई हजार बलात्कार के मामले दर्ज किए जाते हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अतुल गौतम मामले में 2025 में दिए गए फैसले से यह सवाल उठता है कि न्यायिक व्याख्याएं महिलाओं की स्वायत्तता और कानूनी सुरक्षा को कैसे प्रभावित करती हैं? बलात्कार और सेक्स के लिए सहमति देना स्पष्ट रूप से अलग-अलग है। इन स्थितियों में, न्यायालय को सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि क्या शिकायतकर्ता की पीड़िता से शादी करने की वास्तविक इच्छा थी या उसके कोई छिपे हुए उद्देश्य थे और उसने केवल अपनी वासना को शांत करने के लिए इस आशय का झूठा वादा किया था, क्योंकि बाद वाले को धोखा या छल माना जाता है। इसके अतिरिक्त, झूठा वादा न निभाने और उसे तोड़ देने में अंतर है।

अभियुक्त द्वारा अभियोक्ता को यौन गतिविधि में शामिल होने के लिए लुभाने के इरादे के बिना किया गया वादा बलात्कार के रूप में मान्य नहीं होगा। अभियोक्ता अभियुक्त द्वारा बनाए गए झूठे प्रभाव के बजाय उसके प्रति अपने प्यार और जुनून के आधार पर अभियुक्त के साथ यौन संबंधों के लिए सहमति दे सकती है। वैकल्पिक रूप से, अप्रत्याशित या अनियंत्रित परिस्थितियों के कारण ऐसा करने का इरादा होने के बावजूद अभियुक्त उससे शादी करने में असमर्थ हो सकता है। इन स्थितियों को अलग तरीके से संभालने की जरूरत है। बलात्कार का मामला तभी स्पष्ट होता है जब शिकायतकर्ता का कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा या गुप्त उद्देश्य हो। अतुल गौतम बनाम इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निदेशों का उल्लंघन करता है। यह फैसला अपर्णा भट बनाम के विपरीत है। 2021 के मध्य प्रदेश राज्य के फैसले में आरोपी और पीड़ित को द्वितीयक आघात से बचने के लिए जमानत पर रहते हुए संवाद करने से मना किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी के लिए, जमानत की आवश्यकताओं को आरोपी और उत्तरजीवी के बीच संचार के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। यह विचार कि विवाह बलात्कार के लिए एक उपाय है न कि अपराध के लिए सजा, ऐसी जमानत आवश्यकताओं द्वारा पुष्ट होता है, जो सामाजिक समझौते को कानून के शासन से आगे रखता है। रामा शंकर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2022) में जमानत देते समय इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने प्रतिवादी के खिलाफ अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर कर दिया। उत्तरजीवी को जमानत प्राप्त करने के लिए आरोपी द्वारा विवाह के लिए मजबूर किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कानूनी व्यवस्था के भीतर निरंतर दुर्व्यवहार हो सकता है। अभिषेक बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2024) ने न्याय की गारंटी देने के बजाय, अभियुक्त को विवाह के वादे के बदले में जमानत देकर एक दबावपूर्ण गतिशीलता बनाई। जो उत्तरजीवी को उचित पुनर्वास सहायता प्राप्त करने के बजाय अभियुक्त पर निर्भर रहने के लिए मजबूर करता है। किशोरों के निजता के अधिकार (2024) में न्यायालय द्वारा उत्तरजीवियों और बच्चों को आवास, शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के राज्य के दायित्व पर प्रकाश डाला गया था। जमानत का उद्देश्य सामाजिक कर्तव्यों को लागू करना नहीं है, बल्कि मामला लंबित रहने तक अस्थायी स्वतंत्रता की गारंटी देना है। न्यायालयों ने पिछले कई निर्णयों में एक पीड़ित के पुनर्वास को विवाह के बराबर माना है, बलात्कार को शारीरिक स्वायत्तता के उल्लंघन के रूप में स्वीकार करने में विफल रहे। न्यायालय महिलाओं की स्वायत्तता को कमजोर करते हुए अपराधियों के साथ विवाह करने के लिए पीड़ितों पर दबाव डालकर कानूनी संरक्षण के तहत दुर्व्यवहार और नियंत्रण को बढ़ावा देते हैं। विवाह को उपाय मानने वाली अदालतें पीड़ित की सहमति की कमी को नजरअंदाज करती हैं, जिसका अर्थ है कि जबरदस्ती को कानूनी रूप से उचित ठहराया जा सकता है।

महिलाओं को लगातार आघात और सुरक्षा जोखिमों के बावजूद अक्सर अपने दुर्व्यवहार करने वालों के साथ 'समझौता विवाह' में रहने के लिए मजबूर किया

जाता है। अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हुए, जो महिलाओं की स्वायत्तता और गरिमा की रक्षा करता है, ऐसे निर्णय महिलाओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध संबंधों में मजबूर करके उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, जबरन विवाह अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हैं, जिससे पीड़ितों को न्याय के बजाय अधिक शोषण का सामना करना पड़ता है। ये निर्णय इस धारणा को बनाए रखते हैं कि विवाह यौन हिंसा को हल कर सकता है, इन घटनाओं को गंभीर अपराधों के बजाय नागरिक विवादों में बदल देता है। रिश्ते की जटिलता और धोखाधड़ी के इरादे के बीच अंतर करने के लिए एक अच्छी तरह से कानूनी रणनीति की आवश्यकता होती है। कानूनी सुरक्षा को मजबूत करके और लिंग-संवेदनशील न्यायिक प्रशिक्षण प्रदान करके न्याय किया जा सकता हैङ्क जो लैंगिक समानता के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

'छावा' ने बॉक्स ऑफिस पर 'पद्मावत' का रिकॉर्ड तोड़ा, बनी सबसे बड़ी ऐतिहासिक ओपनर

अभिनेता विक्की कौशल की सिंह गर्जना ने उनकी नई फिल्म 'छावा' को हिंदी में बनी ऐतिहासिक फिल्मों में इस मामले में नंबर वन पर ला दिया है कि इसने बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचों फिल्मों से बेहतर ओपनिंग पहले दिन की है। हिंदी सिनेमा में बनी ऐतिहासिक फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड अब तक 'पद्मावत' के पास रहा है जिसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए पर इसकी ओपनिंग सिर्फ 24 करोड़ रुपये की रही। फिल्म 'छावा' के जरिये अभिनेता विक्की कौशल ने अपना पंजा बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन ही मार दिया है। फिल्म ने अपनी रिलीज के एक दिन पहले ही दिन 31 करोड़ रुपये से ऊपर की ओपनिंग ली है। ये विक्की कौशल के करियर में बतौर सोलो हीरो अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग भी है। 'छावा' विक्की कौशल के करियर की बिगेस्ट ओपनर तो बन ही चुकी है, फिल्म ने अपनी लागत का 20 फीसदी से ज्यादा पहले दिन ही कमाकर वीकएंड को खुशगवार बनाने की तरफ भी कदम बढ़ा दिए हैं।

निर्माता दिनेश विजन फिल्म 'छावा' के 12,344 शोज की एडवांस बुकिंग बीते सोमवार से चलती रही है। फिल्म शुक्रवार को दुनिया भर में रिलीज हो गई। वैलेंटाइंस डे पर फिल्म देखने तमाम जोड़े भी आए और उन्हें फिल्म में विक्की कौशल व रश्मिका मंदाना के बीच श्री और सखी श्री के संबोधनों वाला संवाद खूब पसंद आया। फिल्म के क्लाइमेक्स में भी मां जगदंबा को याद करते संभाजी और येसुबाई को देख लोगों ने आंसू भी बहाए। इसके बाद आए फिल्म के खौफनाक क्लाइमेक्स को लोग अभी बरसों याद रखेंगे। किसी भी फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन अगर अपने मेकिंग और प्रचार बजट के 20 फीसदी या उससे ज्यादा होता तो उसके हिट होने की संभावनाएं प्रबल हो जाती हैं। फिल्म 'छावा' 130 करोड़ रुपये में बनी है। उस लिहाज से फिल्म 'छावा' के रिलीज के पहले दिन 31 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लेने से विक्की कौशल की प्रतिष्ठा भी हिंदी सिनेमा में बढ़ना तय माना जा रहा है। ये कलेक्शन इस साल किसी हिंदी फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। इसके पहले अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के पहले दिन करीब 15.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अब तक हिंदी में बनी सारी ऐतिसाहिक फिल्मों में ये सबसे बड़ी ओपनिंग है। इसके पहले ये रिकॉर्ड दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'पद्मावत' के पास था जिसकी ओपनिंग 24 करोड़ रुपये रही थी।

फिल्म 'द नेटवर्कर' करके थ्रिल हुआ

फिल्म 'द नेटवर्कर' एमएलएम के जाल में फंसे लोगों की गहराई और जटिलता के बारे में हैं। इस फिल्म का पोस्टर 9 फरवरी को चंडीगढ़ में लॉन्च हुआ है। इस दौरान फिल्म की स्टार विंध्या तिवारी ने बात की।

फिल्म में आपके के किरदार को कितना अलग देख पाएंगी?
फिल्म का सब्जेक्ट ही अपने आप में सबसे अलग है। ऐसे सब्जेक्ट में जब काम करने का मौका मिलता है तो थ्रिल जैसा महसूस होता है। यह ऐसे स्कैम की कहानी है जो आजकल बहुत ही कॉमन है। मैं इस फिल्म में ऐसी बीवी की भूमिका निभा रही हूं जो अपने पति को बहुत प्यार करती है। आजकल तलाक की बहुत सारी घटनाएं हो रही हैं। पति-पत्नी एक दूसरे को नहीं समझ पा रहे हैं, जबकि कितनी भी विषम परिस्थिति हो एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। पति-पत्नी को आपस में समस्या को समझकर उसका समाधान निकालना चाहिए।

इस तरह के इंटेन्स किरदार निभाने का प्रोसेस क्या होता है?
मैंने कभी एक्टिंग नहीं सीखी है। इसलिए मुझे प्रोसेस नहीं पता है। मैं बनारस की रहने वाली हूं। कैमरा ऑन होते ही कुछ मैजिक होता है। मुझे खुद नहीं पता कि क्या करने वाली हूं। लोग उसे देखकर तारीफ करते हैं। एक्टिंग करते-करते कई साल हो गए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अभी-अभी आई हूं। अभी बहुत कुछ सीखना और अच्छे काम करना है।

विंध्या, आप फिल्म, टीवी और ओटीटी पर काम कर चुकी हैं, सबसे ज्यादा मजा किसमें आता है?
मैं बहुत ही साधारण फैमिली से हूं। मैं डांस भी करती थी तो दादा जी को बहुत दिक्कत होती थी। डॉक्टर और इंजीनियर के अलावा तीसरा ऑप्शन देते ही नहीं है। मुझे तो एक्टिंग प्रोफेशन के बारे में नहीं पता था कि इसमें पैसे भी मिलते हैं। मुंबई आई यहां काम और पैसे मिलने लगा तब समझ में आया कि एक्टिंग प्रोफेशन से सीरियसली पैसे भी कमाए जा सकते हैं। टीवी, फिल्म और ओटीटी पर मैंने काम करने बहुत ही एन्जॉय किया है।

विंध्या, इस फिल्म की सबसे खूबसूरत जर्नी और चैलेंज क्या रहा?
हर प्रोजेक्ट अपने आप में एक चैलेंज होता है। हर फिल्म की शूटिंग के दौरान टीम के साथ नए लोग होते हैं। विक्रम के साथ मैंने पहले भी काम किया है। हमने लाइफ में बहुत मेहनत की है। हम लोग लखनऊ में शूटिंग कर रहे थे, वहां का माहौल बहुत नवाबी रहता था। सेट पर खाना बहुत अच्छा आता था।

पापा ने सेट पर ईमानदार रहना सिखाया, कहा- एक्टिंग मत करो, किरदार बनो

नए साल में वैलेंटाइंस डे के महीने में कावेरी कपूर के रूप में एक और नई स्टार किड की फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री हुई है। ऑस्कर विजेता फिल्म एलिजाबेथ, मिस्टर इंडिया, बैंडिट क्वीन और मासूम जैसी फिल्मों के निर्देशक शेखर कपूर और जानी-मानी एक्ट्रेस-सिंगर सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी की फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी ओटीटी पर नजर आएगी। एक समय सिंगर -कंपोजर बनने की इच्छुक कावेरी ने एक्टिंग का रुख किया है। उनसे एक खास बातचीत।

आज भले कावेरी ने अपना एक्टिंग डेब्यू कर लिया है, मगर वह बचपन से ही गीत-संगीत के प्रति आकर्षित रहीं। हालांकि उन्हें लेकर ये चर्चा बहुत जोंरों पर थी कि वह पिता शेखर कपूर की आइकॉनिक फिल्म मासूम के पार्ट टू यानी मासूमन्द नेक्स्ट जनरेशन से डेब्यू करेंगी, मगर फिर उन्होंने इस फिल्म से आगाज किया। वह कहती हैं, मासूमन्द नेक्स्ट जनरेशन जरूर आएगी और जल्द ही आएगी। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा बात तो नहीं कर सकती, मगर फिल्म निश्चित तौर पर बन रही है और यही मेरी अगली फिल्म होगी।

आज भी प्यार होता है, दिल टूटता है

चौबीस साल की कावेरी जेनज़ी से बिलॉन्ग करती हैं। आज के प्यार -मोहब्बत के दौर में बेन्चिंग, सिचुएशनशिप, घोस्टिंग जैसे टर्म्स पर उनका कहना है, मुझे लगता है, प्यार तो आज की जनरेशन भी करती है, बस कम्युनिकेशन का तरीका बदल गया है। आज भी लोग आई लव यू कहते हैं। पहले चिट्ठियों के जरिए ये बात कही जाती थी, मगर आज लोग मेसेज करके या अपनी इंस्टा स्टोरी के जरिए ये बातें कर देते हैं। हां, मैं मानती हूं कि आज की जनरेशन के पास चॉइसेज ज्यादा हैं, तो रिलेशनशिप का स्वरूप बदल गया है, मगर लव तो आज भी होता है, आज भी लोगों का हार्ट ब्रेक होता है। मुझे लगता है कि आज से 50 साल पहले डेटिंग ऐप होते, तो यकीनन उस समय के लोग भी उसका फायदा उठाते।

ग्यारह साल की उम्र में लिखा था पहला गाना

एक्टिंग के क्षेत्र में आने से पहले कावेरी गीत-संगीत से जुड़ी रही हैं। वह उस वक्त मात्र 11 साल की थीं, जब अपना पहला गाना लाईं थी। उनका गाना डिड यू नो जब यूट्यूब पर रिलीज हुआ था, तब शाहरुख खान, ऋतिक रोशन समेत सोनू निगम ने भी उनकी काफी तारीफ की थी। वह कहती हैं, मुझमें हमेशा से लोगों को और दुनिया को समझने की एक उत्सुकता रही है। मैं अपने गीतों के जरिए मानवीय भावनाओं को व्यक्त करती हूं। यह मैं बहुत बचपन से करती आ रही हूं। गीत-संगीत ने हमेशा से मुझे अपनी सोच और स्किल को अभिव्यक्त करने का प्लैटफॉर्म दिया। 2016 में जब मेरा पहला म्यूजिक विडियो डिड यू नो आया था, तब भी ये लोगों को बहुत पसंद आया था। यह गाना मैंने खुद लिखा, कंपोज किया और इसे आवाज भी दी थी। आज जब मैं एक्टिंग के क्षेत्र में आ गई हूं, तो मेरा म्यूजिक मुझे इमोट करने में काफी मददगार रहा है।

कुणाल सर ने बहुत ही सेफ फील कराया

हम तुम, फना, थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक और ब्रेक के बाद जैसी फिल्मों में सैफ अली, रानी मुखर्जी, आमिर खान, काजोल, दीपिका पादुकोण जैसे कलाकारों को डायरेक्ट कर चुके कुणाल कोहली फिल्म के निर्देशक हैं। कावेरी कुणाल कोहली के साथ अपने अनुभव को बयान करते हुए कहती हैं, कुणाल सर ने सेट पर मुझे काफी सेफ फील कराया। यह मेरी पहली फिल्म है, तो मेरे आपस एक्टिंग का कोई अनुभव नहीं था। सेट पर उन्होंने माहौल को कुछ ऐसा बनाए रखा कि अगर मैं कभी नर्वस होती भी, तो वह मुझसे चर्चा करते और मेरी नर्वसनेस दूर कर देते थे। निर्देशक के रूप में उनकी सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह आपका एक्स फैक्टर पहचानते हैं। वह समझते हैं कि आपका दिमाग और बॉडी लैंग्वेज क्या होगा और वह उसी हिसाब से सलाह देते हैं।

इम्तियाज अली की सीरीज में दिखेंगे अर्जुन और अदिति

दैंशक इम्तियाज अली अमर सिंह चमकीला के बाद अब नेटफ्लिक्स के लिए एक वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में अर्जुन रामपाल और अदिति राव हैदरी के नाम पर तो पहले ही मोहर लग चुकी थी लेकिन इसकी कहानी या कलाकारों से जुड़ी और जानकारी सामने नहीं आई थी। अब इस सीरीज में अविनाश तिवारी की भी एंट्री हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... सीरीज का नाम है ओ साथी रे, लेकिन इम्तियाज इसका निर्देशन नहीं कर रहे हैं बल्कि वह इससे बतौर लेखक और निर्माता जुड़े हैं। इस सीरीज के निर्देशन की जिम्मेदारी उन्होंने अपने भाई आरिफ अली को सौंपी है। आरिफंने इम्तियाज के साथ मिलकर उनकी सुपरहिट वेब सीरीज शी का निर्देशन भी किया था। यह एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज होगी, जिसमें एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर देखने को मिलेंगे।

जयदीप अहलावत ने मनोज वाजपेयी को कहा कमाल?

जयदीप अहलावत को बॉलीवुड से ज्यादा लाइमलाइट वेब सीरीज में अभिनय करके मिली है। वह वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दो सीजन में नजर आ चुके हैं। इसमें वह हाथी राम चौधरी के किरदार में नजर आते हैं, जो एक पुलिस ऑफिसर है। इस किरदार के जरिए दर्शकों को अपराध की स्याह दुनिया दिखाई जाती है। 'पाताल लोक 2' में भी दर्शकों ने जयदीप को खूब सराहा। अब वह एक और वेब सीरीज में नजर आएंगे। इसमें जिस कलाकार के साथ वह काम कर रहे हैं, वह बॉलीवुड के उम्दा एक्टर्स में शामिल है।

जयदीप ने इस एक्टर को सराहा

जल्द ही जयदीप मनोज वाजपेयी के साथ वेब सीरीज 'फैमिली मैन 3' में नजर आएंगे। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी अलग होने वाला है। इस सीरीज का हिस्सा बनकर वह काफी खुश हैं। मनोज वाजपेयी के साथ एक्टिंग करना उनके लिए बड़ी बात है। वह मनोज को एक कमाल का एक्टर बताते हैं। जयदीप अहलावत 'फैमिली मैन 3' की स्टोरी को भी बेहतरीन और सुंदर बताते हैं। वह इस वेब सीरीज को बनाने वाली पूरी टीम की तारीफ करते हैं। उन्हें उम्मीद है कि जब वेब सीरीज आएगी तो दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

जयदीप के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

जयदीप अहलावत एक फिल्म 'ज्वेल थीफ' में भी नजर आएंगे। इसमें सैफ अली खान अहम भूमिका निभा रहे हैं। हाल ही में इसका टीजर भी रिलीज हुआ, यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। फिल्म हाइस्ट यानी चोरी पर आधारित है।

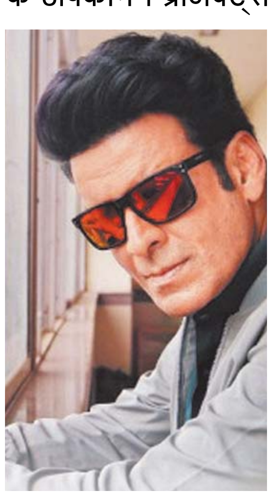

रितेश देशमुख की राजा शिवाजी में दिखेंगे संजय, फरदीन और अभिषेक

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की सुपरहिट मराठी फिल्म वेड दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी थी। अब रितेश अपनी दूसरी मराठी फिल्म राजा शिवाजी लेकर आ रहे हैं। उनकी यह फिल्म हिंदी में भी रिलीज होने वाली है और इससे भी खास बात यह है कि इस फिल्म के लिए रितेश ने अभिषेक बच्चन, संजय दत्त और फरदीन खान को साइन कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में अभिषेक, फरदीन और संजय की एंट्री हो चुकी है और इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है। फिल्म के निर्देशन की कमान तो रितेश संभाल ही रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि संजय, अभिषेक और फरदीन इसमें मुगलों की भूमिका में दिखेंगे। इसमें तीनों एक्टर्स मुगलों की भूमिका में दिखेंगे। फिल्म को रितेश डायरेक्ट कर रहे हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज खेला जाएगा पहला मैच, न्यूजीलैंड का सामना करेगी पाकिस्तान

कराची (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का पहला मैच बुधवार को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। दोनो ही टीमें इस मैच में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेंगी। न्यूजीलैंड ने हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज में पाक को हराया था, ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं पाक को मेजबान होने के कारण घरलू हालातों का लाभ मिलेगा। शुरुआत मैच होने के कारण दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इसपर रहेंगी।

कराची के नेशनल स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है, ऐसे में इस मैच में बड़े स्कोर बनने की पूरी उम्मीद है। इस मैदान पर खेले गए 78 एकदिवसीय मैचों में से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 36 बार जीती है जबकि बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम 39 बार जीती है। दूसरी पारी में इस विकेट पर स्पिनर्स को कुछ सहायता मिली सकती है।

कराची में दिन के कुछ समय के लिए बादल छाए रहने के साथ धूप रहने का अनुमान है लेकिन मौसम खेल के लिए अनुकूल रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तानः मोहम्मद रिजवान (कप्तान), फखर जमान, सऊद शकील, बाबर आजम, सलमान आगा, खुशदिल शाह, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, अबरार अहमद

न्यूजीलैंडः मिचेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, विल यंग, केन विलियमसन, डेरिल मिशेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, विलियम ओरूर्क

भारतीय टीम के पास चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने का अच्छा अवसर : धवन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के पास जीत का अच्छा अवसर है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले धवन ने कहा, मुझे याद है जब मैंने 2013 में पहली बार इसमें खेला था, और तो ये टूर्नामेंट मुझे यह बहुत पसंद आया था, और इस टूर्नामेंट को लेकर इस बार भी भावी विजेता को लेकर काफी चर्चाएं हैं। मेरी उम्मीदें भारतीय टीम से हैं। जिस प्रकार उसने हाल के दिनों में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बहुत अच्छा खेला उससे भी पता चलता है कि टीम अच्छी लय में हैं। धवन का कहना है कि भारतीय टीम मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी किस प्रकार पूरी करेगी ये बड़ा सवाल है। इसका कारण है कि बुमराह मेरे अनुसार विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं, और उनकी तरह की गेंदबाजी करना आसान नहीं है।

धवन को युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हर्षित राणा टीम में शामिल हो गए हैं और मुझे लगता है कि यह वाकई रोमांचक है। उन पर नजर रखें, मुझे लगता है कि वह टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। मुझे उनका आक्रामक गेंदबाजी का अंदाज पसंद है, वह हमेशा आगे बढ़ते रहते हैं और उन्हें किसी भी चीज से डर नहीं लगता। वह चुनौतियों को स्वीकार करते हैं और हमने इंग्लैंड सीरीज में देखा है कि वह फॉर्म में हैं। मुझे भरोसा है कि वह इस अवसर का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे और अगर वह ऐसा करते हैं, तो वह भारत के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित हो सकते हैं।

धवन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी में भारती की जीत की दावेदारी इसलिए भी पक्की है क्योंकि उसके पास एक संतुलित टीम है, खास तौर पर बल्लेबाजी में है। टीम के पास युवा ओर अनुभवी दोनो ही तरह के खिलाड़ी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वह टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करेंगे। कप्तान रोहित शर्मा ने फॉर्म हासिल कर लिया है, विराट कोहली भी लय में आ गये हैं। इन्हें रोकना किसी भी टीम के लिए कठिन होगा। धवन ने कहा की भारतीय टीम के अलावा दक्षिण अफ्रीका का हाल के अच्छे प्रदर्शन से जीत की दावेदार बनकर उभरी है।

चैंपियंस ट्रॉफी यात्रा नीति पर बीसीसीआई के सुर बदले,

पत्नियों-परिवारों को दुबई में मैच देखने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में हार के बाद बीसीसीआई ने सख्त यात्रा नीति की घोषणा की, जिसे कथित तौर पर चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान लागू किया जाना था। नियम के अनुसार आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान दुबई में भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ परिवार नहीं रहेंगे। हालांकि ताजा रिपोर्ट से पता चला है कि बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों के परिवारों को केवल एक मैच देखने के लिए दुबई जाने की अनुमति दी है।

भारतीय टीम गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद वे रविवार को गत चैंपियन पाकिस्तान और अगले सप्ताह न्यूजीलैंड से भिड़ेंगे। अगर भारत फाइनल में भी पहुंचता है, तो पूरा टूर्नामेंट तीन सप्ताह तक चलेगा, इसलिए बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के साथ परिवारों को दौरे पर जाने की अनुमति नहीं दी।

नियम के अनुसार, 'विदेशी दौरे के दौरान 45 दिनों से अधिक समय तक भारत से अनुपस्थित रहने वाले खिलाड़ी अपने साथी और बच्चों (18 वर्ष से कम) को प्रति श्रृंखला (प्रारूप के अनुसार) दो सप्ताह की अवधि तक एक यात्रा के लिए शामिल कर सकते हैं।'

बीसीसीआई ने यात्रा नीति पर अपना रुख बदला

मंगलवार को एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि अब कोई खिलाड़ी अपने परिवार को एक मैच के लिए दुबई ले जा सकता है, क्योंकि ÷टीम प्रबंधन के एक शीर्ष व्यक्ति ने दुबई जाने से पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से बात की थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि खिलाड़ियों को अब तदनुसार बीसीसीआई की अनुमति लेनी होगी, साथ ही टीम प्रबंधन से बोर्ड को एक सूची प्रस्तुत करने की उम्मीद है।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि पूरी टीम दुबई में है, इसलिए शुरू से ही कोई भी परिवार उनके साथ नहीं गया है। अब तक प्रत्येक खिलाड़ी को अपने परिवार को केवल एक मैच में ले जाने की अनुमति दी गई है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी खिलाड़ी ने अनुमति मांगी है या नहीं। उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ी पर निर्भर करता है कि वह चुने कि उसका परिवार उसके साथ मैच में जाएगा या नहीं। कई लोग अपने परिवार को थोड़े समय के लिए भी नहीं ले जा सकते हैं।

भारतीय टीम को बांग्लादेश से मुकाबले में मुशफीकुर और महमूद से सावधान रहना होगा

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत गुरुवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी हर क्षेत्र में बांग्लादेश से कहीं आगे है पर उसे इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भारतीय टीम के बल्लेबाज लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। टीम के कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली तक फार्म में आ गये हैं।

भारतीय टीम को इसके बाद भी बांग्लादेश के दो अनुभवी खिलाड़ी मुशफीकुर रहीम और महमूद उल्लाह से सतर्क रहना होगा। 2017 के

सेमीफाइनल में बांग्लादेश की टीम की ओर से इन दोनो ने अहम भूमिका निभाई थी। तब भारत के खिलाफ मुश्फीकुर ने 61 रन बनाये थे।

अब एक बार फिर मुशफीकुर रहीम और महमूद उल्लाह बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। दोनों हीं बल्लेबाज बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल है. मुशफिकुर रहीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश के लिए 15194 रन बनाए हैं जो सबसे ज्यादा हैं। 272 एकदिवसी में उन्होंने 36.75 की औसत से 7793 रन बनाए हैं. वहीं महमूद उल्लाह ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश के लिए 10694 रन बनाए है। एकदिवसीय क्रिकेट में महमूद उल्लाह ने 238 मैच में 5685 रन बनाए है। दोनों ही बल्लेबाजों के पास दुबई और अन्य एशियाई पिचों पर खेलने का लंबा अनुभव है और ऐसे में इनपर भारतीय टीम को अंकुश लगाना होगा। भारतीय टीम प्रबंधन टीम भी अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों का चयन करते समय ध्यान रखेगा कि कौर सा गेंदबाज इन दोनो पर अंकुश लगा सकता है।

भारतीय क्रिकेटरों ने दूसरे अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

दुबई । भारतीय टीम आजकल यहां चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के लिए अभ्यास में जुटी है। इसी के तहत ही दूसरे अभ्यास सत्र में कप्तान रोहित शर्मा, अुनभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी भारतीय खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया। भारतीय टीम का पहला मैच बांग्लादेश से गुरुवार को है। इसमें विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएल राहुल को अवसर मिलने की संभावना है। इसी को देखते हुए राहुल टीम के नेट सत्र में बड़े शॉट लगाने का अभ्यास किया। पहले मैच में ऋषभ पंत को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अवसर मिलने की संभावना कम है। इसी को देखते हुए राहुल पावर हिटिंग करते दिखे।

इस टूर्नामेंट में राहुल की भूमिका अंतिम ओवरों में अहम होगी जहां उन्हें तेज से रन बटोरने होंगे। इसी को देखते हुए उन्हें 'रेंज हिटिंग का अभ्यास करते हुए देखा जा सकता था। राहुल के अलावा मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी आक्रामक बल्लेबाजी कतरे दिखे। वहीं बल्लेबाज शुभमन गिल भी अभ्यास के दौरान अच्छे फार्म में नजर आये और उन्होंने कई अच्छे शॉट लगाये। रोहित ने भी लेट कट सहित अपने सभी पसंदीदा स्ट्रोक खेले। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट ने भी काफी अभ्यास किया। वहीं इससे पहले रविवार को अभ्यास के दौरान हार्दिक पंड्या के शॉट के कारण ऋषभ के घुटने में गेंद लग गयी थी पर अब वह ठीक हैं। इसी कारण उन्होंने विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण का अभ्यास नहीं किया और केवल बल्लेबाजी करते दिखे।

न्यूजीलैंड के फर्ग्यूसन चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हुए, जैमीसन शामिल

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट शुरु होने से एक दिन पहले ही न्यूजीलैंड को करारा झटका लगा है। उसके एक प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बहार हो गये है। न्यूजीलैंड को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला बुधवार को मेजबान पाकिस्तान से खेलना है। फर्ग्यूसन की जगह अब तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को कीवी टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच में गेंदबाजी के दौरान फर्ग्यूसन को अपने दाहिने पैर में कुछ दर्द महसूस हुआ जिसकी जांच में पता

चला कि वह टूर्नामेंट ही नहीं खेल पायेंगे। बोर्ड के अनुसार फर्ग्यूसन को रिहैब शुरू करने के लिए घर भेजा जाएगा।

वहीं जैमीसन टीम में उनकी जगह लेंगे पर वह पाकिस्तान के खिलाफ 19 फरवरी को होने वाले मैच में नहीं खेलेंगे। जैमीसन ने गत वर्ष दिसंबर में सुपर स्मैश में कैंटरबरी किंग्स की ओर से घरेलू क्रिकेट में वापसी की थी। वह अपनी पीठ में स्ट्रेस फैक्चर के रिहैब के लिए 10 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। फर्ग्यूसन से पहले बेन सियर्स भी भी हाल ही में पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के साथ हुई ट्राई सीरीज के दौरान चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। उनकी जगह जैकब डफी को शामिल किया गया है।

सीएसके के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे पांड्या

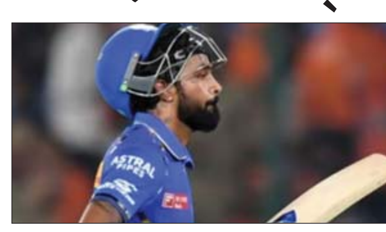

मुम्बई । आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकत हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे। सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं।

महिला प्रीमियर लीगः आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया

वडोदरा (एजेंसी)। कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यपीएल) क्रिकेट के अपने दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 141 रन बनाये। इस प्रकार आरसीबी को जीत के लिए 142 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने दो विकट के नुकसान पर ही 17 ओवरों के अंदर ही हासिल कर लिया। आरसीबी की ओर से मंधाना ने सबसे ज्यादा 81 रन रन बनाये जबकि डेनिएल वायट ने 42 ऋचा घोष ने नाबाद 11 और एलिस पेरी ने नाबाद 7 रन बनाये।

इससे पहले आरसीबी ने टॉस जीतकर दिल्ली को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी की गेंदबाज रेणुका सिंह और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम के तीन-तीन विकेट लेकर आरसीबी ने कैपिटल्स को 141 रन पर ही आउट कर दिया। रेणुका और जॉर्जिया के अलावा किम गार्थ और एकता बिष्ट दो-दो विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे अधिक 34 रन बनाए। इसके अलावा केवल सारा ब्राइस 23 ही 20 रन तक पहुंच पायी। पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरी ही गेंद पर शेफाली वर्मा एक भी रन बनाये बिना पेवेलियन लौट गयीं।

बिहार में अगले माह होगा सेपक टाकरा विश्वकप

पटना । बिहार पहली बार 'सेपक टाकरा विश्वकप की मेजबानी करने जा रहा है। ये विश्वकप अगले माह 20 से 25 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसमें 24 देशों की टीमें लेंगी। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होगाहै। इस आयोजन को लेकर सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक करार भी हुआ है। हार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि सेपक टाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन बिहार में पहली बार हो रहा है यह बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। बिहार को इस प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर देने के लिए सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया का हम आभार जताते हैं। साथ ही इसके सफल आयोजन का भरोसा देते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेपक टकरा वॉलीबॉल, जिम्नास्ट, फुटबॉल और बैडमिंटन का मिलाजुला रुप है। इसे जब खेलते हैं तब गेंद को पैरों से मारते हैं। हाथों का इस्तेमाल नहीं करना होता है। साथ ही जिम्नास्ट की तरह जम्प मारना होता है। सेपक टाकरा विश्व कप में शामिल होने वाले संभावित देश जापान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, ईरान, वियतनाम, भारत, ब्राजील, पोलैंड, फ्रांस, नेपाल, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, अमेरिका, सिंगापुर, चीन, स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, चीनी ताइपे, इटली और लाओस शामिल हैं। इनमें से श्रीलंका, अमेरिका, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई तथा इटली केवल पुरुष प्रतिस्पर्धा में शामिल होंगे। वहीं बाकी देश महिला और पुरुष दोनों वर्ग में भाग लेंगे।

भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी : क्लार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलास एकदिवसीय सीरीज में शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं और वह इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाएंगे। भारतीय टीम को हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के कारण ट्रॉफ का कमजोर दावेदार माना जा रहा है पर क्लार्क इससे सहमत नहीं हैं। क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को जीतने में कामयाब होगी।

इस पूर्व बल्लेबाज ने ये भी कहा है कि रोहित टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3-0 से हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आ रही है। रोहित ने इस दौरान कटक में खेले गए मैच में 90 गेंद में 119 रन की आक्रामक पारी खेली थी। पिछले कुछ महीनों से खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 122 रन बनाए। क्लार्क ने कहा कि रोहित को रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा और उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। माइकल क्लार्क ने कहा, मैं कहा है कि भारतीय टीम ट्रॉफी जीतेगी क्योंकि रोहित ने लय हासिल कर ली है। उसको पिछली सीरीज में रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर भारत को उसकी जरूरत है। साथ ही कहा कि बुमराह के बाहर होने से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के अलावा वरुण चक्रवर्ती जैसे युवा गेंदबाजों के पास अपनी क्षमताएं दिखाने का अच्छा अवसर है।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के लिए तैयार की गयीं नई पिचें

दुबई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के दुबई पहुंचते ही पिचें बदल दी गयी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को खराब पिचें नहीं मिलेंगी। भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी। इसी को देते हुए भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं 2 मार्च को उसे न्यूजीलैंड से ग्रुप स्तर का मुकाबला खेलना है। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे। यहां पिछले एक महीने में पुरुष अंडर-19 एशिया कप और जनवरी-फरवरी में आईएलटी 20 लीग हुआ है। इसी को देखते हुए आशंका जाहिर की जा रही थी कि भारत को खराब पिचें मिलेंगी पर ऐसा नहीं है। आईएलटी 20 0 के दौरान इस मैदान पर दो नॉकआउट खेलों सहित 15 मैच हुए। वहीं कहा जा रहा है कि स्टेडियम की दस पिचों में से दो को लीग के दौरान इस्तेमाल नहीं किया गया। ताकि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहे। नई पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार साबित होंगी। दुबई की पिच ऐतिहासिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रही है। तेज गेंदबाजों को यहां मूवमेंट और बाउंस मिलता रहा है। नई पिच पर तेज गति से गेंदबाजी करने वाले स्पिनर मैच में अंतर ला सकते हैं। स्थितियां बल्ले और गेंद के बीच उचित संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है।

कोच जेलेजनी के बदलाव मुझे जल्द ही 90 मीटर के स्तर तक ले जाएंगे: नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया है कि उनके नए कोच यान जेलेजनी ने उनकी तकनीक में गलतियों का पता लगा लिया है और अब वह 90 मीटर के स्तर को हासिल करने के लिए उनके थ्रो करने के तरीकों में कुछ बदलाव करेंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने इंडिया टुडे से बात करते हुए पिछले महीने पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ अपनी शादी के बारे में भी बताया।

चोपड़ा ने कहा कि उनका रिश्ता पहले एक साधारण दोस्ती थी लेकिन धीरे-धीरे उन्हें प्यार हो गया। चोपड़ा 90 मीटर के स्तर को छूने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उनका सत्र मई में डाइमंड लीग के साथ शुरू होगा और यह पूर्व ओलंपिक तथा विश्व चैंपियन जेलेजनी के साथ उनकी साझेदारी की प्रतिस्पर्धी शुरुआत होगी जिनके नाम भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड (98.48 मीटर) भी है।

चोपड़ा ने कहा, 'मुझे लगता है कि 90 मीटर से अधिक का थ्रो जल्द आ सकता है। उन्होंने (यान जेलेजनी) मेरे खेल में कुछ तकनीकी समायोजन किए हैं। उन्हें (जेलेजनी) लगता है कि उनके बदलाव से मुझे मदद मिलेगी। मैं समझ पाया हूं कि वह मेरे से क्या उम्मीद करते हैं। उन्होंने मुझे जो गलतियां बताईं उनमें से एक यह थी कि मैं पेरिस में भी भाला बहुत नीचे फेंक रहा था और मेरा झुकाव बाईं ओर था।' चोपड़ा ने कहा, 'अगर मैं उन बदलावों को शामिल करने में सक्षम रहा तो मुझे लगता है कि मैं बहुत बेहतर हो जाऊंगा।'

पानीपत के इस खिलाड़ी ने हालांकि जोर देते हुए कहा कि यह मील का पत्थर देश के लिए पदक जीतने जितना महत्वपूर्ण नहीं है। चोपड़ा ने कहा, 'मैं ऐसा करना चाहूंगा। लेकिन किसी प्रतियोगिता में जाना और उन लोगों के खिलाफ पदक जीतना जो पहले 90 मीटर फेंक चुके हैं, उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। 90 मीटर भाला फेंकना और जीत नहीं पाना, इसका कोई मतलब नहीं है।' उन्होंने कहा, 'क्या होगा अगर हर कोई 90 मीटर से अधिक भाला फेंके और 90 मीटर थ्रो करने के बावजूद आप जीत न पाएं? मैं भाले को 90 मीटर से अधिक फेंकना चाहता हूं, हर कोई मानता है कि मैं ऐसा कर सकता हूं। क्लॉस (बार्टोनिएट, चोपड़ा के पूर्व कोच) को इस पर विश्वास था, जेलेजनी को इस पर विश्वास है।'

उन्होंने ग्रोइन की चोट के बारे में भी बात की जिसने पिछले साल उनके सत्र को नुकसान पहुंचाया। चोपड़ा ने प्राग में जेलेजनी द्वारा सुझाए गए एक डॉक्टर से परामर्श किया है। चोपड़ा ने कहा, 'ग्रोइन की चोट लंबे समय से एक समस्या रही है। मैं अपनी चोट के कारण अपनी तकनीक में 100 प्रतिशत नहीं दे पा रहा था। मैं प्राग में जेलेजनी के डॉक्टर के पास गया और उन्होंने कुछ व्यायाम सुझाए। मैं उस पर काम कर रहा हूं, इसलिए उम्मीद है कि इससे मदद मिलेगी और मैं अपना 100 प्रतिशत दे पाऊंगा।' चोपड़ा की शादी ने सबसे चौंका दिया था और अपनी शादी के बारे में उन्होंने कि वह और हिमानी दोनों ही इसे एक अंतरंग संबंध बनाना चाहते थे और इसीलिए उन्होंने सोलन के पास एक शहर चुना। उन्होंने कहा, 'मैं उसे जानता था। वह भी एक खेल पृष्ठभूमि वाले परिवार से आती है और हम भी।

उसके पिता और मां कबड्डी खिलाड़ी थे। उसके भाई मुक्केबाज और पहलवान थे।' चोपड़ा ने कहा, 'वह खुद एक टेनिस खिलाड़ी थी लेकिन चोट लगने के बाद उसने अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित किया।' समय के साथ उनका रिश्ता कैसे विकसित हुआ इस पर चोपड़ा ने कहा कि खिलाड़ी होने के कारण वे आसानी से जुड़ सकते थे। उन्होंने कहा, 'हमारे परिवारों की खेल पृष्ठभूमि थी इसलिए हमें मिलने का अवसर मिला। हमारी बातचीत ऐसे ही शुरू हुई - जैसे दो खिलाड़ी बात कर रहे थे। पहले तो यह अनौपचारिक था लेकिन धीरे-धीरे हमें प्यार हो गया।'

संक्षिप्त समाचार

सर्बिया में रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत

नोवी सैड, एजेंसी। सर्बिया के दूसरे सबसे बड़े शहर नोवी सैड में एक पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत के तीन माह बाद भी प्रदर्शन हो रहे हैं। दोषियों को सख्त सजा दिए जाने व मृतकों के परिजनों के लिए न्याय की मांग करते हुए रविवार को मध्य सर्बियाई शहर क्रागुजेवैक में करीब 15 हजार लोगों ने मोबाइल की फ्लैशलाइट व टॉर्च जलाकर प्रदर्शन किया।

इस साल जुलाई में ब्रिक्स की मेजबानी करेगा ब्राजील

ब्राजिलिया, एजेंसी। ब्राजील इस साल जुलाई में ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 6 और 7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में होने वाले इस सम्मेलन में भारत के अलावा चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश भाग लेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, ब्राजील 2025 तक विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के समूह की अध्यक्षता करेगा। इस दौरान वह वैश्विक शासन सुधार और ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। भारत, ब्राजील, रूस और चीन ने साल 2009 ने ब्रिक की स्थापना की थी। अगले साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका इस संगठन से जुड़ा, जिसके बाद इसे ब्रिक्स कहा जाने लगा। पिछले साल ईरान, मिस्र, इथोपिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ब्रिक्स में शामिल हुए।

नेपाल में एक हफ्ते तक संसद में पेश नहीं होंगे 5 अध्यादेश

काठमांडू, एजेंसी। सरकार ने पांच अध्यादेशों को संसद में पेश किए जाने की योजना अगले हफ्ते तक टाल दी है। नेपाल सरकार ने 18 फरवरी को संसद के दोनों सदनों में अध्यादेश पेश करने की योजना बनाई थी, लेकिन सांसदों के राजधानी से बाहर होने के कारण अब इसे 23 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है। सत्ता पक्ष ने भूमि संबंधी अध्यादेश को छोड़कर बाकी पांच अध्यादेशों को संसद से पारित कराने की तैयारी की है। सत्तारूढ़ दल के प्रमुख सचेतकों की रविवार को हुई बैठक में विधेयकों को शीघ्र पारित कराने की रणनीति पर सहमति बनी। सिंह दरबार स्थित सीपीएन-यूएमएल संसदीय दल के कार्यालय में हुई बैठक में अध्यादेशों को पेश करने व उन्हें कार्यसूची में शामिल करने पर भी चर्चा हुई।

सिंगापुर की संसद में झूठ बोलने के दोषी पाए गए भारतवंशी नेता

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक भारतवंशी सांसद को सिंगापुर की संसद में झूठी गवाही देने का दोषी पाया गया है। भारतवंशी नेता प्रीतम सिंह ने संसदीय समिति के सामने झूठी गवाही दी, इसके चलते प्रीतम सिंह को संसद सदस्यता से अयोग्य ठहराया जा सकता है और इस साल के आम चुनाव में उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लग सकती है। सिंगापुर की अदालत ने प्रीतम सिंह को दोषी माना है। सिंह पर एक अन्य सांसद के मामले में जांच कर रही संसदीय समिति के सामने झूठी गवाही देने का दोषी पाया गया है।

पूर्वी चीन में सछ्वान प्रांत से प्राकृतिक गैस की सप्लाई की परियोजना का निर्माण तेज

बीजिंग, एजेंसी। पूर्वी चीन में सछ्वान प्रांत से प्राकृतिक गैस की सप्लाई की दूसरी लाइन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की पूर्व खंड परियोजना का निर्माण तेजी से हो रहा है। यह चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना में प्रमुख ऊर्जा बुनियादी संस्थापन परियोजना है। बताया जाता है कि दूसरी लाइन की कुल लंबाई 4,269 कि।मी।है, जो सछ्वान, छोंगछिंग, हूपेई, आनह्वेई और चच्यांग प्रांत से गुजरती है। पूर्व खंड की लंबाई 2,698 कि।मी।है, जिसमें एक मुख्य लाइन, दो टाई लाइनें और तीन शाखा लाइनें शामिल हैं। पाइपलाइन का डिजाइन दबाव 10 एमपीए है और वार्षिक परिवहन 14 अरब घन मीटर है। अनुमान है कि दूसरी लाइन का निर्माण वर्ष 2027 में पूरा होगा। हाल के वर्षों में चीन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क और गैस भंडारण तथा पीक-शेविंग सुविधा के निर्माण को तेज कर रहा है। अंत :संबधन परियोजनाओं में सुविधा आई, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की गई और उच्च गुणवत्ता वाले आर्थिक तथा सामाजिक विकास को सहायता दी गई। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 के अंत तक चीन में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की लंबाई एक लाख 20 हजार किमी से अधिक है और मुख्य प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क 57 हजार कि.मी. से लंबा है।

हांगकांग में पांडा के जुड़वां शावकों के लिए नामकरण प्रतियोगिता शुरू

बीजिंग, एजेंसी। हांगकांग में पहले पांडा जुड़वां शावकों का जन्म 18 अगस्त 2024 को हुआ। छह महीने बाद 16 फरवरी को पांडा जुड़वां बच्चे हांगकांग के ओशन पार्क में सामने आए। छह महीने के पांडा जुड़वां शावक पेड़ की शाखाओं और घास पर चढ़ते और खेलते हुए बहुत प्यारे और मनमोहक लगते हैं। बताया जाता है कि जन्म के समय मादा पांडा शिशु का वजन लगभग 122 ग्राम है और नर पांडा शिशु का वजन लगभग 112 ग्राम है। ओशन पार्क की नर्सिंग टीम की देखभाल में अब दोनों का वजन 10 किलोग्राम से अधिक हो गया है। उनकी मां का नाम यिंगयिंग है, जो हांगकांग की चीन में वापसी की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर केंद्र सरकार ने हांगकांग को दान किया है।

जर्मनी में एएफडी पार्टी सरकार बनाने की दौड़ में आगे

80 साल में पहली बार कट्टरपंथी पार्टी को बढ़त

पिछले चुनाव में सातवें नंबर पर थी, प्रचार में ट्रम्प का मॉडल अपनाया

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में 23 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। इस बार के चुनाव नतीजे बेहद दिलचस्प होने वाले हैं। चांसलर ओलाफ शुल्ज का सत्तारूढ़ एसडीपी गठबंधन प्री-पोल सर्वे में बुरी तरह से पिछड़ रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 80 साल में पहली बार कट्टरपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी (एएफडी) तेजी से आगे बढ़ी है।अभी एएफडी सरकार बनाने की रेस में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछ्ले चुनाव में ये पार्टी 7वें नंबर पर रही थी। एएफडी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव मॉडल पर प्रचार कर रही है। पार्टी का एजेंडा भी ट्रम्प की लाइन पर है। इस पार्टी ने जर्मनी फर्स्ट का नारा दिया है। एएफडी की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लग सकता है कि ये पार्टी हाल में हुए प्रांतीय चुनाव में पांच में से दो प्रांतों में बहुमत हासिल कर चुकी है। संघीय चुनावों में भी इस बार एएफडी को रिकॉर्ड वोट मिलने की संभावना है।

एएफडी युवाओं में लोकप्रिय, प्रवासियों पर सख्ती

एएफडी युवाओं में बेहद लोकप्रिय है। 50 साल से कम उम्र के लगभग 70 प्रतिशत वोटर एएफडी को वोट देने की बात कह रहे हैं। जर्मनी में कुल लगभग 6 करोड़ वोटर हैं। एएफडी की नेता एलिस वीडल प्रवासियों के मुद्दे पर अपने सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं। उनका एजेंडा प्रवासियों को वीसा देने में कटौती करना और यूरोपीय यूनियन के साथ संबंधों पर फिर से विचार करना है। यानी एएफडी यदि सरकार बनाने में सफल रहती है तो अमेरिका के साथ संबंधों को बढ़ाएगी। एलिस की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए सीडीयू के फेडरिच मर्ज और एसडीपी के ओलाफ शुल्ज भी अब प्रवासियों को वीसा में कटौती के मुद्दे को उठा रहे हैं।

भारतीयों पर असर-स्किल और स्टूडेंट वीसा में कटौती की आशंका

एएफडी की जीत भारतीय हितों पर भारी पड़ सकती है। हाल ही में जर्मनी ने इस साल से भारतीयों को चार गुना अधिक स्किल वीसा जारी करने का ऐलान किया है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज ने अक्टूबर में अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा था कि हमारे देश को भारतीय टैलेंट की जरूरत है।लेकिन इन चुनावों में कट्टरपंथी एएफडी पार्टी को जीत मिलती है तो उसकी जर्मनी फर्स्ट की नीति के तहत जर्मन लोगों को पहले जॉब ऑफर किए जाएंगे। फिलहाल जर्मनी हर साल 20 हजार भारतीयों को स्किल वीसा जारी करता है। शुल्ज ने इसे बढ़ाकर 80 हजार करने की बात कही थी। अभी जर्मनी में 2 लाख 85 हजार भारतीय रहते हैं।एएफडी की सरकार बनने के बाद वर्क वीसा और परमानेंट रेजिडेंसी में भी दिक्कत आ सकती है। जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। 2021 में जहां 25 हजार भारतीय छात्र थे, ये संख्या 2024 में बढ़ कर लगभग दो गुनी हो गई है। जर्मनी में भारतीय छात्र यूरोप में दूसरे नंबर पर हैं। पहले नंबर पर भारतीय छात्र ब्रिटेन में हैं।

पुतिन और मस्क एएफडी पार्टी को समर्थन दे रहे हैं

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क कट्टरपंथी एएफडी पार्टी को खुला समर्थन दे रहे हैं। पुतिन का कहना है कि एएफडी के सत्ता में आने से रूस के जर्मनी के साथ संबंध और बेहतर होंगे। जबकि मस्क का कहना है कि एएफडी की जीत से जर्मनी यूरोप में फिर से शक्तिशाली देश के रूप में उभरेगा। पुतिन-मस्क के समर्थन से एएफडी की लोकप्रियता बढ़ रही है। चुनाव में पहली बार भारतवंशी भी मैदान में हैं। सिद्धार्थ मुद्गल सीएसयू पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुख्य मुद्दा जर्मनी की इकोनॉमी को और बेहतर बनाकर यहां के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

चीन के शनचन शहर में उपलब्धि एक्सपो शुरू

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विज्ञान अकादमी के शनचन उन्नत प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान ने हाल में क्वांगतोंग प्रांत के शनचन शहर में उपलब्धि एक्सपो शुरू किया। परीक्षण संचालन के पहले हफ्ते अनुबंध की राशि 58 लाख युआन तक पहुंच गई। उपलब्धि एक्सपो में एआई और बायोमेडिसिन समेत वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों की सात श्रेणियों को अलग-अलग रंगों से चिह्नित किया गया है। छोटे कार्ड पर अनुसंधान परियोजना के बारे में सरल जानकारी लिखी गई है। इस बारे में रुचि रखने वाले आगंतुक अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए मोबाइल फोन से स्कैन कर सकते हैं।

अतीत में, जब कंपनियां तकनीकी समाधान ढूंढ़ना चाहती थीं, तो वे ऑनलाइन ढूंढती थीं। लेकिन ऑनलाइन पर जानकारी विशाल और जटिल हैं और ऑफलाइन शोध में अधिक समय लगता है। इस तरह के उपलब्धि एक्सपो में कंपनियां न केवल एकीकृत रूप से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान परिणाम की जानकारी प्राप्त कर सकती हैं, बल्कि अनुसंधान टीम के साथ सीधे संपर्क कर सकती हैं और जल्दी से सहयोग के इरादे तक पहुंच सकेंगी। बताया जाता है कि परीक्षण संचालन के पहले हफ्ते अनुबंध की राशि 58 लाख युआन तक पहुंच गई। आने वाले समय में उपलब्धि एक्सपो की क्षमता लगातार उन्नत होगी, ताकि अधिकाधिक वैज्ञानिक नवाचार प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंच सके।

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने कांगो के खनिज समृद्ध पूर्वी क्षेत्र के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा किया

बुकावु (कांगो), एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगों में रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने खनिज समृद्ध पूर्वी कांगो के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा कर लिया है। विद्रोही समूह 'एम23' ने पुष्टि की है कि उसके लड़ाके बुकावु शहर में हैं और कांगो की सेना के शहर से जाने के बाद उन्होंने यहां की सुरक्षा व्यवस्था संभालने का जिम्मा लिया है। 'द कांगो रिवर अलायंस' ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने 13 लाख की आबादी वाले शहर बुकावु में सुरक्षा चुनौतियों को हल करने और ''बुकावु की जनता की सहायता करने का निर्णय लिया है।'' 'द कांगो रिवर अलायंस' विद्रोही समूहों का संगठन है जिसमें 'एम23' भी शामिल है। संगठन के प्रवक्ता लॉरेंस कान्यूका ने एक बयान में कहा, ''हमारे बल लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं, जिससे पूरी आबादी संतुष्ट है।'' ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारी बलों ने विद्रोहियों से कोई खास संघर्ष नहीं किया और यहां एक भी सैनिक मौजूद नहीं है। शनिवार को हजारों नागरिकों के साथ कई सैनिक भागते हुए देखे गए थे। 'एम23' के एक चरमपंथी बर्नार्ड महेशे बयामुंगू ने बुकावु में दक्षिण किवु के गवर्नर कार्यालय के सामने खड़े होकर निवासियों से कहा कि वे ''जंगल'' में रह रहे हैं। उसने कहा,'' हम पुराने शासन की अव्यवस्था को दुरुस्त करने जा रहे हैं।

ट्रंप के विदेशी सहायता रोके जाने से मर सकते हैं एड्स के लाखों मरीज, यूएन की चेतावनी

अदिस अबाबा, एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही जो शुरुआती फैसले लिए, उनमें अमेरिका द्वारा दुनिया भर में दी जाने वाली विदेशी सहायता पर रोक का फैसला प्रमुख था। अब इस फैसले का असर दिखना शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एड्स प्रोग्राम की निदेशक विनी ब्यानिमा ने चेतावनी दी है कि अमेरिका द्वारा विदेशी सहायता रोके जाने से दुनिया भर में एड्स के लाखों मरीज मर सकते हैं।

अमेरिका, दुनिया में विदेशी सहायता का सबसे बड़ा प्रदाता

अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र के लिए विदेशी सहायता का दुनिया में सबसे बड़ा प्रदाता है। यह मदद अमेरिका अपने एजेंसी संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के द्वारा करता रहा है। जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप ने यूएसएआईडी के तहत दी जाने वाली विदेशी सहायता तीन महीने के लिए रोक दी है। इससे मानवीय मदद के कामों पर बड़ा असर पड़ा है। यूएनएआईडीएस की कार्यकारी निदेशक विनी ब्यानिमा ने बताया कि अगर विदेशी सहायता के तहत मिलने वाली निधि अगर खत्म हो जाती है, तो लोग मर जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि एड्स से मृत्यु दर दस गुना तक बढ़ सकती है।

अफ्रीका में बिगड़ सकते हैं हालात : फाउंडेशन फॉर एड्स रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, अमेरिकी मदद से दो करोड़ से अधिक एचआईवी रोगियों और 270,000 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद होती है। अगर विदेशी मदद रुकती है तो इससे पांच वर्षों में एड्स से दस गुना अधिक करीब 63 लाख लोगों की मौत हो सकती है। हालांकि अमेरिका ने जीवन रक्षक उपचार की दवाओं में रोक से छूट दी है, लेकिन अफ्रीका में ये सुविधाएं भी बंद हो चुकी हैं। इथियोपियाई राजधानी अदीस अबाबा में अफ्रीकी शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्यानिमा ने ये बात कही। साल 1961 में अमेरिका ने यूएसएआईडी की शुरुआत की थी। इसका वार्षिक बजट 40 अरब डॉलर से ज्यादा है। फिलहाल ट्रंप ने इस पर तीन महीने की रोक लगा दी है। समीक्षा के बाद इसके तहत होने वाली कुछ फंडिंग को फिर से शुरू किया जा सकता है।

इयाल जमीर बने इजराइली सेना के चीफ ऑफ स्टाफ

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली सरकार ने रविवार को मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) इयाल जमीर को इजराइली रक्षा बलों के अगले चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में नियुक्त करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी। जमीर लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी की जगह लेंगे, जिन्होंने 21 जनवरी को घोषणा की थी कि वे सेना की 7 अक्टूबर की विफलताओं के कारण इस्तीफा दे देंगे। हलेवी 5 मार्च को पद छोड़ने वाले हैं।

जमीर, 59, का जन्म और पालन-पोषण ईलाट में हुआ। वे आर्मर्ड कोर में अपना करियर शुरू करने के लिए चीफ ऑफ स्टाफ बनेंगे। 1984 में सेना में शामिल होने के बाद वे एक टैंक कमांडर बन गए, धीरे-धीरे रैंक चढ़ते गए। आखिरकार उन्हें 2012-2015 तक नेतन्याहू के सैन्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। वाशिंगटन स्थित वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी में विजिटिंग रिसर्च फेलो बनने से पहले 2018 से 2021 तक वे डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ थे।

जमीर को 2018 और 2022 में चीफ ऑफ स्टाफ के लिए भी विचार किया गया था। 2023 में, उन्हें रक्षा मंत्रालय का महानिदेशक नियुक्त किया गया। उनके पास तेल अवीव और हाइफा विश्वविद्यालयों से भी डिग्री है और वे व्हार्टन विश्वविद्यालय के सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम के स्नातक हैं। आईडीएफ चीफ ऑफ़ स्टाफ़ तीन साल के लिए काम करता है, जिसमें एक साल का विस्तार भी संभव है। अपने कार्यकाल की समाप्ति से पहले पद छोड़ने वाले आखिरी चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट-जनरल थे।

डैन हलुट्ज, जिन्होंने 2006 के दूसरे लेबनान युद्ध के दौरान आईडीएफ की विफलताओं के कारण 2007 में इस्तीफा दे दिया था। राजनीतिक और सैन्य विफलताओं की जांच के लिए सरकार द्वारा एक स्वतंत्र जांच आयोग नियुक्त करने की मांग बढ़ रही है। ऐसे आयोगों के पास गवाहों को बुलाने और सबूत इकट्ठा करने का व्यापक अधिकार होता है और इनका नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट के एक वरिष्ठ न्यायाधीश करते हैं।इनमें जांच के दायरे में आने वाले व्यक्तियों के बारे में व्यक्तिगत सिफारिशें शामिल हो सकती हैं, हालांकि सरकार सिफारिशों पर कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और सत्तारूढ़ गठबंधन का कहना है कि एक स्वतंत्र आयोग की नियुक्ति युद्ध के बाद ही की जानी चाहिए। पिछले राज्य जांच आयोग ने, जिसने इजराइल की सबसे खराब नागरिक आपदा (मेरोन पर्वत पर एक पवित्र स्थल पर भगदड़ जिसमें 45 लोग मारे गए थे) की जांच की थी, अप्रैल में जारी एक रिपोर्ट में नेतन्याहू को इस त्रासदी के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया था।

ट्रंप ने हटाए प्रतिबंध, इजराइल पहुंची अमेरिकी बमों की बड़ी खेप

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल के बीच संबंधों में काफी बदलाव आए हैं। ये बदलाव डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद हुआ है। ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन द्वारा इजराइल को हथियारों की आपूर्ति करने पर लगाई गई रोक को पलट दिया। इस फैसले के बाद अमेरिका ने इजराइल को एमके-84 जैसे भारी बमों की आपूर्ति की है। हालांकि, इस समय इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम लागू है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका द्वारा हाल ही में हथियारों की आपूर्ति पर लगी रोक को हटा लिया गया है। इसके बाद इजराइल को अमेरिकी एमके-84 बमों की आपूर्ति की गई। एमके-84 एक विशेष प्रकार का बम है जो लक्ष्यों को भेदने और अपनी भारी विस्फोट शक्ति से व्यापक क्षति पहुंचाने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को एक बयान में कहा कि हथियारों की यह खेप शनिवार देर रात इजराइली बंदरगाह अशदोद पहुंची और इसे रात भर में उतार कर गनतव्य तक पहुंचा दिया गया।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार मंत्रालय द्वारा जारी वीडियो फुटेज में शिपिंग कंटेनरों को दर्जनों ट्रकों पर लादते हुए दिखाया गया। मंत्रालय के अनुसार बमों को इजरायल की वायु सेना के ठिकानों तक पहुंचाया गया। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने गाजा पट्टी के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में उनके संभावित उपयोग और प्रभाव के बारे में चिंताओं के कारण इजरायल को एमके-84 बमों की डिलीवरी को निलंबित कर दिया था।

गाजा में अक्टूबर 2023 से इजरायली बमबारी और जमीनी हमलों में हजारों लोग मारे गए।इसी बयान में इजराइली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि लेटेस्ट शिपमेंट वायुसेना और आईडीएफ (इजरायल रक्षा बलों) के लिए एक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन को बमों की आपूर्ति करने और इजरायल के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इजरायल के रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से, 678 एयरलिफ्ट और 129 समुद्री शिपमेंट के माध्यम से 76,000 टन से अधिक सैन्य उपकरण इजराइल पहुंचे हैं।

हमास का सफाया किया जाना चाहिए, गाजा में अस्थिर युद्धविराम पर संदेह और बढ़ा : रुबियो

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा पट्टी में इजराइल के युद्ध उद्देश्यों का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि हमास को 'खत्म किया जाना चाहिए' क्योंकि इसने अस्थिर युद्धविराम के भविष्य पर संदेह खड़ा कर दिया है। रुबियो ने क्षेत्रीय दौरे की शुरुआत में यरूशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की, जहां उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पट्टी से फलस्तीनी आबादी को स्थानांतरित करने और अमेरिकी स्वामित्व के तहत इसे पुनर्विकसित करने के प्रस्ताव पर अरब नेताओं से प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है।

नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और कहा कि गाजा के भविष्य के लिए उनके व ट्रंप के पास एक 'साझा रणनीति' है। नेतन्याहू ने ट्रंप की बात दोहराते हुए कहा कि अगर हमास सात अक्टूबर 2023 को किये हमले में अपहृत दर्जनों बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो 'नरक के द्वार खुल जाएंगे'। इजराइल के प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी युद्धविराम के पहले चरण के समाप्त होने से ठीक दो सप्ताह पहले आई है। दूसरे चरण पर हालांकि अब तक बातचीत नहीं हुई है, जिसमें हमास को अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले में दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करना है। रुबियो ने कहा कि हमास 'सैन्य या सरकारी बल के रूप में मौजूद नहीं रह सकता'। रुबियो ने कहा, जब तक यह (हमास) शासन-प्रशासन के रूप में एक ताकत बनकर खड़ा है तब तक शांति असंभव है। इसे मिटा दिया जाना चाहिए।

इस तरह की हमास के साथ बातचीत जारी रखने के प्रयासों को जटिल बना सकती है, जो युद्ध में भारी नुकसान उठाने के बावजूद कायम है और गाजा पर इसका नियंत्रण बरकरार है। इस बीच इजराइली सेना ने बताया कि उसने रविवार तड़के दक्षिणी गाजा में उसकी सेना के पास आने वाले लोगों पर हवाई हमला किया। हमास द्वारा संचालित आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब पुलिसकर्मी मिस्र की सीमा पर राफा के पास सहायता ट्रकों के प्रवेश को सुरक्षित कर रहे थे। मंत्रालय के मुताबिक, हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी।

गाजा में इजरायल की नीतियों का स्पष्ट समर्थन करने के लिए अमेरिका का धन्यवाद करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि उनकी और ट्रंप की एक समान रणनीति है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि हम हमेशा इस रणनीति का विवरण सार्वजनिक नहीं कर सकते, जिसमें यह भी शामिल है कि हम कब कड़े कदम उठाएंगे, क्योंकि हम तब तक ऐसा करेंगे जब तक हमारे सभी बंधक रिहा नहीं हो जाते।

नेतन्याहू ने ईरान के मामले में अमेरिका-इजरायल समन्वय पर भी जोर दिया। कहा कि दोनों देश तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों का सामना करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और क्षेत्र में ईरान की आक्रामकता को रोकना होगा। रुबियो ने अपनी टिप्पणी में कहा कि गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए लोगों को घर लौटने की जरूरत है, उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता उदित राज के बिगड़े बोल- कहा मायावती का गला घोंटने का समय आ गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती को लेकर विवादित टिप्पणी की है। उदित राज ने गीता में भगवान श्री कृष्ण के उपदेश का जिक्र करते हुए कहा कि मायावती का गला घोंटने का समय आ गया है। दिल्ली के पूर्व सांसद ने कहा उन्हें उनके कृष्ण ने ऐसा करने के लिए कहा है। मायावती ने उदित राज का नाम लिए बिना जवाब दिया है और बयान को गंभीरता से नहीं लेने की बात कही। उदित राज के बोल पर भाजपा ने भी आपत्ति जाहिर की है। उदित राज ने अपने एक्स पर भी अपने बयान को साझा किया है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर लिखा, कृष्ण ने कहा था कि न्याय के लिए लड़ो, जरूरत पड़े तो अपने सगे संबंधियों को भी मार दो। बसपा की चीफ सुश्री मायावती जी ने जो सामाजिक आंदोलन का गला घोंटा है, अब उनका गला घोंटने का वक्त आ गया है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। कांग्रेस नेता ने अपने बयान का वह हिस्सा भी खुद साझा किया है, जिसमें वह कहते हैं, श्रीकृष्ण ने कहा कि अपने सगे संबंधियों को कैसे मारे, कृष्ण ने कहा कि कोई सगा संबंधी नहीं है, न्याय के लिए लड़ो, मार दो अपने लोगों को ही मार दो, आज उसी मोड़ पर हमारे कृष्ण ने मुझे कह दिया है कि सबसे पहले जो अपना दुश्मन है उसे मार दो। जो सामाजिक न्याय का दुश्मन है, मैंने अपने प्रेस रिलीज में लिख दिया है, सुश्री मायावती ने जो सामाजिक आंदोलन का गला घोंटा अब उनका गला घोंटने का समय आ गया है।

आकाश आनंद ने दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

उदित राज के बयान के बाद बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की तीखी प्रतिक्रिया आई है। आकाश आनंद ने यूपी पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए उदित राज को गिरफ्तार करने की मांग की है। हमारी परमपूज्य आदरणीय बहन कु. मायावती जी को गला घोंटना की धमकी दे रहा है। मैं यूपी पुलिस से साफ़ कहना चाहता हूँ की 24 घंटे में इन अपराधियों को गिरफ्तार कर क़ानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें नहीं तो देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है, इनको सबक सिखाना मुझे अच्छे से आता है।

गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं: मायावती

मायावती ने उदित राज के बयान पर कहा कि बाबा साहेब डॉ। भीमराव अम्बेडकर के जीतेजी और उनके देहांत के बाद भी, करोड़ों शोषित-पीड़ित दलितों/बहुजनों के लिए उनके आत्म-सम्मान और स्वाभिमान के मानवतावादी संघर्ष का हर स्तर पर तिरस्कार करने वाली खासकर कांग्रेस पार्टी कभी भी इनकी सोच-नीतियों पर खरी व विश्वसनीय नहीं हो सकती।मायावती ने कहा, कुछ दलबदलू अवसरवादी व स्वार्थी दलित लोग अपने आकाओं को खुश करने के लिए जो अनर्गल बयानबाजी आदि करते रहते हैं उनसे भी बहुजन समाज को सावधान रहने व उन्हें गंभीरता से नहीं लेने की जरूरत है क्योंकि वे सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति मूवमेन्ट से अनभिज्ञ व अपरिचित हैं।

सिवान में दिनदहाड़े फाइनेंस कर्मी से गन पॉइंट पर लूट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान 18 फरवरी मंगलवार ।सिवान जिला अंतर्गत छपरा सिवान मुख्य पथ एन एच 531 स्थित ढोलकिया पुल के समीप पर बाइक सवार दो बेखौफ अपराधियों ने हथियार के बल पर उत्कर्ष फाइनेंस बैंक कर्मी से ?60000 नगदी पास मोबाइल एवं बाइक का चाबी लूट की घटना को अंजाम दिया है।लूट की घटना के बाद अपराधी आसानी से फरार हो गए. बताया जा रहा है कि फाइनेंस कर में क्षेत्र से कलेक्शन करने के बाद संतोष कुमार दरौंदा ब्रांच ?60000 नगद लेकर जा रहे थे तभी अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है. घटना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महाराजगंज राकेश कुमार रंजन के निर्देश पर थाने की पुलिस एवं 112 पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है. उत्कर्ष फाइनेंस बैंक कर्मी संतोष कुमार द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में लगातार फाइनेंस कर्मियों से लूट की घटना को अपराधी अंजाम दे रहे हैं. उसके बावजूद भी प्रशासन अपराधियों पर लगाम लगाने में फेल है. वही एक फाइनेंस कमी ऑडिटर द्वारा बताया गया कि लगातार सिवान का लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ते जा रहा है. पुलिस अधीक्षक को इस मामले में गंभीरता पूर्वक लेकर अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करना चाहिए. जिससे क्षेत्र के लोग आराम और चैन से रह सके. घटना के बाद थानेदार छोटन कुमार द्वारा बताया गया कि सीसीटीवी के आधार पर मामले का जांच किया जा रहा है. घटना में शामिल अपराधियों को जल्दी चिन्हित कर गिरफ्तार किया जाएगा।

वीरपुर पुलिस ने तीन वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

वीरपुर / बेगुसराय वीरपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव से दो मामलों में तीन वारंटी को वीरपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार को अग्रिम कार्रवाई के लिए बेगुसराय न्यायलय भेज दिया।जिसकी जानकारी देते हुए वीरपुर थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि वीरपुर थाना कांड संख्या 103/11 जी आर संख्या 3401/11 के वारंटी अभियुक्त थाना क्षेत्र के सरौंजा गांव निवासी स्व जनक बैठा के पुत्र रामजी बैठा एवं थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव निवासी नीलामी पत्र वाद संख्या 5/13-14 के वारंटी अभियुक्त स्व शिव शंकर चौधरी के पुत्र शिवदानी चौधरी व ललन चौधरी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए बेगुसराय न्यायलय भेज दिया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

अंचल पुलिस निरीक्षक, जयनगर के द्वारा बासोपट्?टी थाना के थानाध्यक्ष एवं अनुसंधानकर्ता के साथ लंबित कांडो के समीक्षा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला जयनगर अंचल पुलिस निरीक्षक, जयनगर के द्वारा बासोपट्?टी थाना के थानाध्यक्ष एवं अनुसंधानकर्ता के साथ लंबित कांडो के समीक्षा कर निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

अवसर पर थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार, एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे अंचल पुलिस निरीक्षक, जयनगर के द्वारा कई दिशा निर्देश दिया गया।

सारण में 40 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का होगा एनक्यूएएस प्रमाणीकरण

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

,छपरा जिलाधिकारी ने प्रत्येक प्रखंड से दो-दो सेंटर को तैयार करने का दिया आदेश

- एनक्यूएएस प्रमाणीकरण से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में आयेगी सुधार
- ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को मिलेगी उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं

छपरा।जिले के सुदुर ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को बेहतर और उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने को लेकर स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार प्रयासरत है। विभाग की मंशा है कि मरीजों को स्वच्छ और अच्छे वातारण में बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिले। इसको लेकर विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है।इसी उद्देश्य से जिले के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत तैयार किया जा रहा है।हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। जिलाधिकारी अमन समीर भी लगातार स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग कर रहें है।जिलाधिकारी ने आदेश दिया है कि जिले के प्रत्येक प्रखंड से दो-दो हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत प्रमाणीकरण के लिए तैयार किया जाए। इसके लिए विभाग के द्वारा तैयारी शुरू कर दी गयी है। प्रत्येक प्रखंड से एक-एक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का चयन कर लिया गया है और एनक्यूएएस के प्रमाणीकरण के लिए तैयार किया जा रहा है।इसको लेकर सीएचओ का क्षमतावर्धन किया जा रहा है। फिलहाल एक-एक सेंटर का अप्लाई किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप ढालना :

जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप ढालना है। इसके तहत स्वास्थ्य केंद्रों के लिए पूर्व निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है।इन मानकों में साफ-सफाई, मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं, उपकरणों की स्थिति, उपचार की प्रक्रिया और रोगियों की संतुष्टि शामिल हैं। साथ ही, मानक संचालन प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल के पालन की भी जांच की जाती है।एनक्वास का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य केंद्रों को अपनी गुणवत्ता का आकलन करने और उसे सुधारने के लिए प्रेरित करना है, ताकि नागरिकों को उच्चतम स्तर की चिकित्सा सेवाएं मिल सकें।

इन पैरामीटर पर खड़ा उतरने वाला सेंटर होगा प्रमाणित:

डीपीसी रमेशचंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है।इनमें उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किए जाते हैं।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर मिलती हैं ये सेवाएं:
- प्रसव पूर्व जांच
- नवजात एवं शिशु सामान्य स्वास्थ्य देखभाल
- बाल्यावस्था एवं किशोर सामान्य स्वास्थ्य देखभाल
- परिवार नियोजन, गर्भनिरोधक एवं सामान्य प्रजनन

महाकुम्भ के पावन अवसर पर 19 फरवरी, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे से 25 महाकुम्भ मेला विशेष गाड़ियाँ चलाई जायेंगी

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,बनारस से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँ:

1. 19 फरवरी, 2025 को 05109 बनारस-झूसी मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 08.00 बजे चलाई जायेगी।
2. 19 फरवरी, 2025 को 05105 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 12.30 बजे चलाई जायेगी।
3. 19 फरवरी, 2025 को 07088 बनारस-मौला अलि मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 19.15 बजे चलाई जायेगी।
4. 19 फरवरी, 2025 को 09414 बनारस-साबरमती मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 19.30 बजे चलाई जायेगी।
5. 19 फरवरी, 2025 को 05107 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 20.30 बजे चलाई जायेगी।

छपरा से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँ:

1. 19 फरवरी, 2025 को 05125 छपरा-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, छपरा से 10.05 बजे चलाई जायेगी।
2. 19 फरवरी, 2025 को 05129 छपरा-झूसी मेला विशेष गाड़ी, छपरा से 18.30 बजे चलाई जायेगी।

झूसी से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँ:

1. 19 फरवरी, 2025 को 05003 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 07.45 बजे चलाई जायेगी।
2. 19 फरवरी, 2025 को 05149 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 11.15 बजे चलाई जायेगी।
3. 19 फरवरी, 2025 को 05110 झूसी-बनारस मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 12.45 बजे चलाई जायेगी।
4. 19 फरवरी, 2025 को 05151 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 15.15 बजे चलाई जायेगी।
5. 19 फरवरी, 2025 को 03412 झूसी-मालदा टाउन मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 19.15 बजे चलाई जायेगी।

प्रयागराज रामबाग से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँ:

1. 19 फरवरी, 2025 को 05108 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी, प्रयागराज रामबाग से 07.00 बजे चलाई जायेगी।
2. 19 फरवरी, 2025 को 05106 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी, प्रयागराज रामबाग से 16.30 बजे चलाई जायेगी।

गोरखपुर से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँ:

1. 19 फरवरी, 2025 को 05150 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 19.30 बजे चलाई जायेगी।
2. 19 फरवरी, 2025 को 05004 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 21.30 बजे चलाई जायेगी।
3. 19 फरवरी, 2025 को 05152 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 23.45 बजे चलाई जायेगी।

इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 04111, 04112, 04113, 04114, 04120, 05101, 05102 एवं 05104 रिंग रेल चलाई जा रही हैं।

इसी प्रकार, 18 फरवरी, 2025 को 16.00 बजे तक पूर्वोत्तर रेलवे से/होकर 23 मेला विशेष गाड़ियाँ, 14 नियमित ट्रेन, 04 रिंग रेल एवं 09 लम्बी दूरी की ट्रेनों सहित कुल 50 ट्रेनें चलाई गईं।

मेला विशेष गाड़ियों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये रेलवे हेल्पलाइन नम्बर 139 पर डायल कर सकते हैं अथवा नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एन.टी.ई.एस.) वेब पोर्टल या मोबाइल एप पर प्राप्त कर सकते है।

लव जिहाद कानून पर महाराष्ट्र सरकार को औवेसी और आजमी ने घेरा

-कहा- इनके पास कोई और काम नहीं, अंकल सरकार बनाने की कोशिश

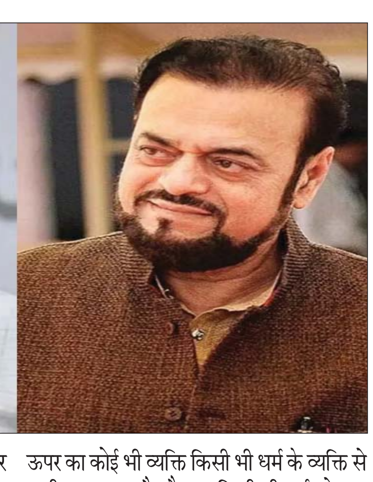

हैदराबाद(एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद के कानून को लेकर समिति का गठन किया है। अइ इसे लेकर सियासत शुरु हो गई है। कमेटी के गठन को लेकर समाजवादी पार्टी नेता और महाराष्ट्र के विधायक अबू आजमी के बाद अब असदुद्दीन ओवैसी ने इसपर निशाना साधा है। ओवैसी ने सोमवार को इसके खिलाफ एक पोस्ट शेयर किया है।

ओवैसी ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा-ऐसा लगता है कि राज्य सरकार के पास अंतरधार्मिक विवाहों की जांच के अलावा कोई और काम नहीं है, क्योंकि उसने अब लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने के लिए एक समिति गठित कर दी है।

उन्होंने कहा कि यहां तक कि मोदी सरकार ने भी कहा है कि लव जिहाद की कोई परिभाषा नहीं है और कई जांच एजेंसियों ने साजिश के सिद्धांत को खारिज कर दिया है।

हैदराबाद सांसद ओवैसी ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता पहले से ही किसी भी व्यक्ति को अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर शादी का वादा करने पर अपराधी मानता है। जबरन धर्म परिवर्तन भी अपराध की श्रेणी में आता है। यह केवल अंकल सरकार बनाने की कोशिश है। सरकार इस बात में दखल देती है कि आप किससे शादी करते हैं, क्या खाते हैं, कौन सी भाषा बोलते हैं, कहां रहते हैं और किस धर्म को मानते हैं। इस समिति के गठन को लेकर विधायक अबू आजमी ने कहा कि यह देश संविधान और कानून से चलता है। कानून के तहत 18 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म के व्यक्ति से शादी कर सकता है और वह किसी भी धर्म को मान सकता है। लव जिहाद जैसी कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई हिंदू महिला किसी मुस्लिम से शादी करती है तो वे दबाव डालकर महिला के परिवार का मन बदल देते हैं, जिसके बाद वह कहती है कि उससे जबरदस्ती शादी करवाई गई। वे बस मुसलमानों को परेशान करना चाहते हैं सदियों से हिंदू और मुसलमान आपस में शादी करते आ रहे हैं।

इलाहाबादिया को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, गिरफ्तारी से दी राहत

-कहा- आप लोगों के माता-पिता को बेइज्जत कर रहे हैं, यह गंदे दिमाग की उपज

मुंबई (एजेंसी)। यू-ट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस बीच कोर्ट ने उन्हें जमकर फटकार लगाई। हालांकि कोर्ट ने रणवीर को गिरफ्तारी से राहत दी है और निर्देश दिया है कि वे जांच में शामिल हों। इसके अलावा संबंधित एपिसोड पर अब कोई और एफआईआर नहीं दर्ज की जाएगी।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट में रणवीर के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने कहा कि कई राज्यों में मामले दर्ज हैं। उनकी जान को खतरा है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आप लोगों के माता-पिता को बेइज्जत कर रहे हैं। यह गंदे दिमाग की उपज है। आपके पास भारी संपत्ति है। दो अलग एफआईआर का आप बचाव कर सकते हैं। हम एफआईआर क्यों क्लब करें। जांच और मुकदमा आपके मुताबिक नहीं चलाया जा सकता। अगर आपको खतरा है, तो यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और आप शिकायत करें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको कैसे व्यवहार करना चाहिए, ये आपको पता हैज्अश्लीलता क्या है आपको पता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सिर्फ दो एफआईआर है। एक मुंबई में है और दूसरी गुवाहाटी में हैं। दोनों एफआईआर भी समान नहीं है। दोनों में अलग आरोप हैं। ऐसे में एकसाथ सुनवाई की मांग कैसे की जा सकती है। रणवीर के वकील चंद्रचूड़ ने जुबान काटने के एवज में 5 लाख के ईनाम का हवाला दिया। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब आप ऐसी सस्ती पॉपुलेरिटी चाहेंगे तो लोग धमकी तो देंगे ही। आपकी भाषा से अच्छी उसकी भाषा है। आपने जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया है उससे माता-पिता, अभिभावक और पूरा समाज क्षुब्द होगा। हम इस तरह के व्यवहार को प्रमोट नहीं कर सकते हैं। कानून अपना काम करेगा। आखिर वह पुलिस स्टेशन क्यों नहीं जा रहे, वकील किस हैसियत से गए, हम वकील के खिलाफ बार काउंसिल को बोलेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को छूट है कि महाराष्ट्र और असम पुलिस से वह धमकी मिलने पर जांच के दौरान सुरक्षा की मांग कर सकता है। जयपुर में भी एफआईआर है। उस पर भी समान आदेश रहेगा। रणवीर सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के बिना देश छोड़कर नहीं जा सकता है। वह आगे शो नहीं करेंगे। वकील चंद्रचूड़ ने कहा कि शो उनका नहीं है, इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम जानते हैं। रणवीर के खिलाफ देश के अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज किया है, जिसको एक साथ क्लब करने की मांग को लेकर याचिका दायर की गई।

मां की जाति के आधार पर बच्चों को जाति प्रमाण पत्र और ओबीसी सर्टिफिकेट जारी करे

- इसके लिए आपले सरकार पोर्टल पर आवश्यक बदलाव करे

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश देकर कहा कि असाधारण परिस्थितियों में मां की जाति के आधार पर बच्चों को जाति प्रमाण पत्र और ओबीसी सर्टिफिकेट जारी करने के लिए आपले सरकार पोर्टल पर आवश्यक बदलाव करे। साथ ही हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से एक समिति भी गठित करने को कह दिया है। ताकि ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए पोर्टल पर दस्तावेज अपलोड करने के प्रावधानों की संभावना का पता लग सके। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देवेंद्र फडणवीस सरकार से कहा कि अपनी मां की सामाजिक स्थिति और जाति के आधार पर जाति प्रमाण पत्र चाहने वाले नागरिकों को मां की सामाजिक स्थिति के दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा मिलानी चाहिए।

आपले सरकार राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइट है, जो नागरिकों के लिए विभिन्न लाभकारी योजनाएं प्रदान करती है और उन्हें शिकायत दर्ज करने में भी सक्षम बनाती है। स्वानुभूति जैन बनाम महाराष्ट्र राज्य के मामले की सुनवाई कर जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस अश्विन डी भोबे की पीठ ने सरकार को सरकारी पोर्टल में संशोधन करने का आदेश दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, खंडपीठ ने 30 वर्षीय महिला स्वानुभूति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर महाराष्ट्र सरकार को पोर्टल पर मां की सामाजिक स्थिति के दस्तावेज अपलोड करने में सक्षम बनाने का आदेश दिया है। स्वानुभूति ने अदालत से राज्य सरकार के अधिकारियों से प्राधिकारियों को उसकी मां की जाति के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देने का आग्रह किया था। इसके साथ ही याचिकाकर्ता ने महाराष्ट्र सरकार को यह निर्देश देने की भी मांग की थी कि आपले पोर्टल पर मुझे अपनी मां की सामाजिक स्थिति के दस्तावेज अपलोड करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि पोर्टल केवल पिता की जाति का दस्तावेज अपलोड करने की अनुमति देता है।

हालांकि, हाई कोर्ट ने स्वानुभूति की याचिका खारिज कर कहा कि जैन यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रही कि उसका पालन-पोषण केवल उसकी मां ने किया था या उसकी परवरिश उसकी मां की जाति की स्थिति से प्रभावित थी। कोर्ट ने कहा कि जैन के पिता, जो एक बैंक अधिकारी हैं, ने उसकी शिक्षा का खर्च उठाया था और परिवार एक ही घर में साथ रहता था। इसके अतिरिक्त, जैन की मां ने हाल ही में 2022 में अपना ओबीसी प्रमाण पत्र प्राप्त किया था, जिसके बाद जैन ने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया है।